RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 काजोल ने अपनी बेटी नीसा...

वर्ष : 27 अंक : 186 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बृहस्पतिवार, 26 जून, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

ग्रीन डाटा सेंटर का शिलान्यास

मुख्यमंत्री योगी ने गाजियाबाद को दी सौगात, सीईएल के कार्यक्रम में हुए शामिल

गाजियाबाद (चेतना मंच)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज औद्योगिक क्षेत्र साइट चार में सेंट्रल इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (सीईएल) के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने वह डाटा सेंटर का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हवन किया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह व उप्र के मंत्री सुनील कुमार शर्मा भी मौजूद रहे। इसके बाद वह इंदिरापुरम स्थित कैलास मानसरोवर भवन पहुंचेंगे। यहां वह अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विमान सुबह करीब सवा 11 बजे हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर उतरा। इसके बाद वह सड़क मार्ग द्वारा मोहन नगर, वसुंधरा रेड लाइट और साइट चार होते हुए सीईएल पहुंचे। यहां करीब दो घंटे रहने के बाद वह इंदिरापुरम कैलास मानसरोव भवन के लिए रवाना हुए। यहां से वह वसुंधरा होते हुए सीआइएसएफ रोड से कैलास भवन जायेंगे।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के चलते गाजियाबाद में रूट डायवर्जन प्लान भी किया गया। जिस मार्ग से मुख्यमंत्री निकलेंगे वहां के संपर्क मार्गों पर यातायात कुछ देर पहले से रोका गया और उनके काफिले के निकले के बाद यातायात दोबारा शुरू कर दिया।

सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) के 51वें स्थापना दिवस के मौके

पर गुरुवार को पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीईएल में बनने वाले ग्रीन डाटा सेंटर के लिए विधि-विधान से पूजा कर भूमि पूजन किया।

इसके बाद सीईएल के अध्यक्ष चेतन प्रकाश जैन ने डाटा सेंटर की मॉडल को दिखाते हुए उसकी विशेषताओं और बारीकियों के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी। कार्यक्रम स्थल से निकलने के बाद मुख्यमंत्री ने सीईएल परिसर में अशोक के पौधे का रोपण किया और फिर सीईएल में लगी उपकरण प्रदर्शनी का भी जायजा लिया। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, केबिनेट मंत्री सुनील शर्मा व भाजपा के अन्य नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सीईएल के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीईएल को 50 वर्ष पूरे होने पर अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि कंपनी के लिए यह एक गौरवशाली क्षण है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

कई खूबियों से लैस है ग्रीन डाटा सेंटर

सेंट्रल इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड व ईएसडीएस साफ्टवेयर साल्यूशन लिमिटेड द्वारा तैयार टियर-3 ग्रीन डाटा सेंटर कई खूबियों से लैस है। यह डिजिटल इंडिया व ग्रीन इंडिया को ध्यान में रखकर सस्टेनेबल व भविष्य आधारित डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण का माध्यम बनेगा। इसकी स्थापना से प्रदेश में नवाचार और रोजगार सृजन में मदद मिलेगी। 30 मेगावॉट कुल क्षमता युक्त डाटा सेंटर का होगा निर्माण ग्रीन डाटा सेंटर का परिसर टियर-थ्री प्रमाणित होगा और इसे ग्रीन बिल्डिंग डिजाइन के आधार पर निर्मित किया जाएगा। इसकी कुल क्षमता 30 मेगावाट की होगी और यह तीन मंजिलों में फैले हाई डेंसिटी रैक आधारित होगा।

इस डाटा सेंटर को 40 जीबीपीएस रिंग फाइबर बैकबोन तथा मल्टी आईएसपी सपोर्ट से युक्त किया जाएगा।

नगला चरणदास में विद्युत उपकेंद्र का किया उद्घाटन

सांसद व विधायक ने जनता को किया समर्पित

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के फेस-2 क्षेत्र स्थित नगला चरणदास गांव में आज गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा, नोएडा विधायक पंकज सिंह तथा नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री ने 33/11 केवी क्षमता वाले विद्युत उपकेंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने फीता काटकर विद्युत उपकेंद्र का विधिवत शुभारंभ किया।

यह विद्युत उपकेंद्र 15 करोड़ 99 लाख की लागत से निर्मित हुआ है। इसके चालू होने के बाद सेक्टर-80, सेक्टर-81, फेस-2, नगला चरणदास, सलारपुर सहित आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति और अधिक सुदृढ़ व सुचारू हो जाएगी। साथ ही, इस उपकेंद्र से अन्य उपकेंद्रों के फीडरों को भी बिजली की आपूर्ति की जाएगी।

अब तक उक्त क्षेत्रों को सेक्टर-115 स्थित विद्युत उपकेंद्र से बिजली मिलती थी, जिससे लोड अधिक होने पर आपूर्ति प्रभावित होती थी। नए उपकेंद्र के चालू होने से लोड बंटेगा और बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा। (शेष पृष्ठ-4 पर)

9 करोड़ रुपये का साइबर फ्रॉड केशलैस हेल्थ स्कीम में फर्जीवाड़ा

अस्पताल का रिकवरी अफसर व अकाउंट का कर्मचारी गिरफ्तार

नोएडा(चेतना मंच)। नोएडा साइबर क्राइम थाना पुलिस ने एक बड़े 9 करोड़ रुपये के बड़े साइबर फ्रॉड का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में से एक मेट्रो अस्पताल, नोएडा में रिकवरी ऑफिसर के पद पर तैनात था, जबकि दूसरा आरोपी अकाउंट सेक्शन से जुड़ा कर्मचारी है। दोनों ने मिलकर सरकारी केशलैस हेल्थ स्कीम की राशि को फर्जी बैंक खातों में ट्रांसफर (शेष पृष्ठ-4 पर)

युवक ने खुद को मारी गोली, मौके पर ही मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के रायपुर बांगर स्थित लाल बिल्डिंग में बने एक फ्लैट के बाहर एक युवक ने सोमवार सुबह खुद को गोली मार ली। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि सुबह सूचना मिली कि ए-ब्लॉक फ्लैट नंबर 280, लाल बिल्डिंग, रायपुर बांगर में रहने वाले एक युवक ने अपने फ्लैट के बाहर खुद को गोली मार ली है और वह लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को तुरंत अस्पताल भिजवाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान ऋषभ, पुत्र विनोद त्यागी, निवासी ग्राम जोचना, थाना रबूपुरा के रूप में हुई है। बताया गया कि ऋषभ के माता-पिता का कुछ समय पूर्व देहांत हो चुका था। (शेष पृष्ठ-4 पर)

ईनामी बदमाश पुलिस ने दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस 2 पुलिस ने घर में घुसकर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने के आरोप में वांछित चल रहे एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश पर 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था। एडीसीपी सेंट्रल ने बताया कि थाना फेस 2 प्रभारी विंध्याचल तिवारी व उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर गौरव पुत्र विक्रम बैरागी को एक कंपनी के पास से गिरफ्तार किया। इसके पास से एक पिस्तौल व कारतूस बरामद हुए। उन्होंने बताया कि पकड़े गए गौरव ने अपने साथियों के साथ मिलकर (शेष पृष्ठ-4 पर)

पुलिस में शिकायत करने पर पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र में कुछ युवकों ने एक व्यक्ति की पिटाई कर उसे घायल कर दिया। पीड़ित का 'कसूर' सिर्फ इतना था कि उसने आरोपियों में से एक युवक की शिकायत बीते दिनों पुलिस से की थी। बीटा-2 सेक्टर निवासी दिव्यांश अवस्थी ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 22 जून की रात वह अपनी पत्नी और साले के साथ बाहर खाना खाकर घर लौट रहा था। घर के पास ही स्थित एक पीजी (पेइंग गेस्ट) के बाहर कुछ युवक गाड़ी खड़ी करके पार्टी कर रहे थे और तेज आवाज़ में गाने बजा रहे थे। दिव्यांश ने उन्हें (शेष पृष्ठ-4 पर)

महिला को आत्महत्या के लिए उकसाया, एफआईआर दर्ज

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-2 क्षेत्र के ग्राम ककराला में एक महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में उसके पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मृतका के पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी को आत्महत्या के लिए उकसाया गया। मयूर विहार फेस-1, दिल्ली निवासी इस्लाम ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उन्होंने अपनी बेटी नजमा की शादी करीब 15 वर्ष पूर्व ग्राम ककराला निवासी असलम के साथ की थी। इस्लाम के अनुसार, शादी के कुछ समय बाद से ही उसकी बेटी को प्रताड़ित किया जाने लगा। छोटी-छोटी बातों पर उसके पति असलम और अन्य परिजन उससे मारपीट करते थे। (शेष पृष्ठ-4 पर)

अब वाणिज्यिक भूखंड पर लगेगा लोकेशन चार्ज!

नोएडा(चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण को अब वाणिज्यिक भूखंड के आवंटियों को लोकेशन चार्ज भी देना होगा यह चार्ज 10 से 17.5 फीसदी तक रहेगा।

प्राधिकरण 20 हजार वर्गमीटर और इससे कम वर्गमीटर की कामर्शियल बिल्डर भूखंड योजना लेकर आ रहा है। बोर्ड में इसके ब्रोशन को पास कर दिया गया है। प्राधिकरण का कहना है कि भूखंड दरों की कैल्कुलेशन में लोकेशन चार्ज लगाए गए है। इस कारण योजना में शामिल भूखंडों की दर में 10 से 17.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो गई है। इससे पहले प्राधिकरण की कामर्शियल योजनाओं पर लोकेशन चार्ज नहीं लगाता था।

आवंटन दरों में होगी वृद्धि 10-17.5 फीसदी रहेगा लोकेशन चार्ज

नौएडा
एक उत्कृष्ट क्षेत्र

प्राधिकरण के शीर्ष अतफसरों ने बताया कि कामर्शियल भू उपायोग (शेष पृष्ठ-4 पर)

मुठभेड़ में शातिर चेन स्नेचर गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए मुठभेड़ के बाद एक शातिर चेन स्नेचर को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। पकड़ा गया आरोपी नोएडा और दिल्ली में 24 से अधिक आपराधिक मामलों में वांछित है।

एडीसीपी नोएडा सुमित शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना प्रभारी विद्युत गोयल के नेतृत्व में पुलिस टीम सेक्टर-54 के पास एलिवेटेड रोड के नीचे वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एनटीपीसी की तरफ से बाइक पर दो युवक आते दिखे। जब पुलिस ने उन्हें रोकने का इशारा किया तो दोनों युवक बाइक मोड़कर तेज रफ्तार से भागने लगे।

पुलिस ने उनका पीछा किया। तेज रफ्तार में भागते हुए उनकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिसके बाद दोनों आरोपी जंगल की ओर भागने लगे। इसी दौरान एक आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। जवाबी फायरिंग में एक आरोपी के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने तुरंत उसे गिरफ्तार कर लिया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

डबल डेकर बस एक्सप्रेसवे पर पलटी, 2 की मौत

लखनऊ (एजेंसी)। इटावा जिले में बिहार के मधुबनी से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में 52 लोग घायल हो गए। सभी को आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ले जाया गया। इनमें से दो लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य लोगों को उपचार दिया जा रहा है। हादसा ड्राइवर को नींद की झपकी आने के कारण हुआ।

बिहार के मधुबनी से दिल्ली के लिए लगभग 70 सवारी लेकर डबल डेकर बस निकली थी। गुरुवार सुबह लगभग चार बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर संख्या 103 पर बस अनियंत्रित (शेष पृष्ठ-4 पर)

अतिक्रमण हटाने के दौरान प्राधिकरण के अफसरों के साथ धक्का-मुक्की व अभद्रता

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के बसई गांव में प्राधिकरण के एक प्रबंधक स्तर के अधिकारी के साथ अभद्रता की गई। नौबत मारपीट तक आ गई थी। किसी तरह वो वहां से निकले और पुलिस को जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची थाना फेज-3 पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राधिकरण की टीम बसई गांव में अवैध निर्माण को हटाने पहुंची थी। यहां अवैध निर्माण हटाने के बाद दौरान ही बहसबाजी और धक्कामुक्की की गई। प्राधिकरण ने बताया कि बसई गांव में अवैध निर्माण है। जिसको हटाने के लिए बुधवार दोपहर को एक टीम बसई गांव पहुंची। यहां अवैध निर्माण हटाने के बुलडोजर चलाया गया। इस दौरान ही स्थानीय निवासियों के साथ कहासुनी हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने उनको समझाया। कहासुनी बढ़ी तो टीम वापस आ गई। इस बीच प्राधिकरण के सीनीयर मैनेजर गांव पहुंचे। वहां लोगों से बातचीत की। (शेष पृष्ठ-4 पर)

फिल्म सिटी के पहले चरण के नक्शे को मंजूरी

मुख्यमंत्री योगी से कल मिलेंगे फिल्म निर्माता बोनी कपूर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर एयरपोर्ट के पास बनने वाली फिल्म सिटी को लेकर बड़ी खबर सामने आयी है। यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने गुरुवार को सेक्टर-21 में बनने वाली फिल्म सिटी के पहले चरण के लिए प्रस्तावित नक्शे को मंजूरी दे दी। यह नक्शा फिल्म निर्माता बोनी कपूर के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम द्वारा तैयार किया गया था।

फिल्म निर्माता बोनी कपूर कल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट करेंगे और फिल्म सिटी के शिलान्यास की तिथि पर चर्चा करेंगे।

स्वीकृत नक्शा अधिकतम पांच वर्षों तक मान्य रहेगा। 230 एकड़ में बनने वाली इस फिल्म सिटी का

शिलान्यास फरवरी में होने की संभावना है और इसे आठ साल में पूरा किए जाने का लक्ष्य है। पहले चरण के निम्रण पर 1,510 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

पिछले साल 27 जून को उत्तर प्रदेश सरकार ने बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी को रियल एस्टेट कंपनी भूटानी इंफ्रा के साथ मिलकर इस परियोजना के पहले (शेष पृष्ठ-4 पर)

फिल्म सिटी का मास्टर प्लान

यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी सीईओ अरुण वीर सिंह ने बताया कि मास्टर प्लान के तहत 230 एकड़ भूमि को विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। इसमें फिल्म निर्माण सुविधाएं, वाणिज्यिक केंद्र और ग्रीन ज़ोन शामिल हैं। फिल्म निर्माण से जुड़ी मुख्य गतिविधियों के लिए लगभग 155 एकड़ भूमि आरक्षित की गई है, जहां फिल्म स्टूडियो, साउंड स्टेज, पोस्ट-प्रोडक्शन इकाइयां और अन्य आवश्यक सुविधाएं बनाई जाएंगी। इसे चार परिसरों में बांटा गया है। पहले चरण में 75 एकड़ में एक वाणिज्यिक हब भी विकसित किया जाएगा। (शेष पृष्ठ-4 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

अप्रत्याशित बदलाव

देशकाल-परिस्थितियों और बदलती जरूरतों के अनुरूप वैश्विक स्तर पर एक सूक्ष्म, लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव दृष्टिगोचर हो रहा है। यह बदलाव लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में आ रहे परिवर्तन का है। जैसा कि हाल ही में 'द इकनॉमिस्ट' द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। दुनियाभर में, अतिरिक्त पुरुष जन्म की संख्या- जो वर्ष 2000 में 1.7 मिलियन तक अधिक थी, साल 2025 तक लगभग दो लाख तक गिर गई है। निस्संदेह, यह प्रजनन विकल्पों में एक अप्रत्याशित बदलावों का संकेत है। यहां तक कि दक्षिण कोरिया और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता के रूप में देखा जा सकता है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वह आर्थिक रूप से स्वावलंबी होती जा रही है। बल्कि कई देशों में तो महिलाओं की बैचलर डिग्री की संख्या तक पुरुषों की तुलना में अधिक है। पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं। वहीं भारत में परिस्थितियां एक जटिल तसवीर प्रस्तुत करती हैं। यूं तो सदियों से भारत का समाज पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है। लेकिन लिंग चयन के लिये किए जाने वाले गर्भपात पर शासन व प्रशासन की कानूनी सख्ती और जागरूकता अभियानों के बावजूद परंपरागत रूप से समाज में गहरी जड़ें जमाने वाला बेटा मोह अब भी प्राथमिकता बना हुआ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5(2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा,पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है। इसके अलावा, भारत में बेटी वरीयता, जहां यह मौजूद है, अक्सर सशर्त होती है। लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं। यही वजह है कि ग्रामीण और शहरी गरीब समुदायों में लड़कियां हाशिये पर रख जाती हैं। लेकिन इसके बावजूद भारत को लिंग समानता के वैश्विक आंदोलन की किसी भी तरह अनदेखी नहीं करनी चाहिए। साथ ही केंद्र व राज्य सरकारों के नीतिगत हस्तक्षेप को जन्म सांख्यिकी से परे जाना चाहिए। नीति-नियंताओं को बालिका शिक्षा को प्राथमिकता के आधार पर बढ़ावा देना चाहिए। इसके साथ ही समान संपत्ति अधिकार लागू करने, दहेज प्रथा की कुरीति को समाप्त करने की दिशा में सख्त कदम उठाने चाहिए। तभी भारतीय समाज में लिंगभेद की मानसिकता खत्म होगी और लैंगिक समानता की दिशा में मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही देश में तेजी से बढ़ती बुजुर्गों की आबादी के लिये सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाना चाहिए।

आपातकालः आधी रात जब छिन गए थे जनता के सारे अधिकार

50 वर्ष पूर्व 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भारतीय संविधान की धारा 352 के अधीन देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। पूरा देश इस फैसले से भौंचक रह गया। भारतीय इतिहास में लोकतंत्र का काला दिन था। आपातकाल लगाया गया, जो मार्च 1977 तक चला। इस दौरान भारत में लोकतंत्र लगभग खत्म कर दिया गया और एक तानाशाही शासन की शुरुआत इस दौरान नागरिक अधिकारों का बड़े पैमाने पर हनन हुआ था।

इंदिरा गांधी की सरकार ने अपने राजनीतिक विरोधियों को जेल में डाल दिया, मीडिया की आजादी छीन ली, लोगों के मौलिक अधिकारों को रौंदा, मानवाधिकारों का उल्लंघन किया और आम नागरिकों को बेरहमी से प्रताड़ित किया गया और हत्या तक की गई। इस दौर में संविधान को भी कमजोर किया गया। हालांकि, आपातकाल का हर पहलू चौंकाने वाला था, लेकिन खासकर छात्रों पर किए गए अत्याचार बेहद निंदनीय थे। सब कुछ सिर्फ एक परिवार की तानाशाही को बरकरार रखने के लिए।

पहली बार ऐसा मौका था जब देश में अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल की घोषणा की गई थी। लोगों को आपातकाल के मतलब भी नहीं पता था। आपातकाल की घोषणा के साथ ही आम जनता के सभी मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे। किसी तरह की अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार ही नहीं, लोगों के पास जीवन का अधिकार भी नहीं रह गया था। आम जनता, मीडिया समूह, रेडियो, और अन्य प्रचार के माध्यमों पर पूरी पाबंदी लगा दी गई थी। आपातकाल की घोषणा के कुछ घंटे के भीतर की प्रमुख समाचार पत्रों के कार्यालयों में बिजली की आपूर्ति काट दी गई थी।

आपातकाल की सूचना के बाद से ही देश में ढूंढ-ढूंढ कर विपक्ष के नेताओं की गिरफ्तारियों का दौर शुरू हो गया था। तत्कालीन समय के बड़े नेता जयप्रकाश नारायण, लालकृष्ण आडवाणी, अटल बिहारी वाजपेयी, जॉर्ज फर्नांडिस को जेल में डाल दिया गया। विपक्षी नेताओं के साथ साथ समाज में प्रभाव रखने वाले कांग्रेस के विपरीत विचारधारा वाले सभी लोगों और आम जनता में बेगुनाहों को भी जेल में भर दिया गया था, जेलों में जगह नहीं बची थी। करीब 1,40,000 लोगों आपातकाल में बिना किसी सुनवाई के राजनीतिक बंदी बनाया गया।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आपातकाल के दौरान पूरे देश का नियंत्रण गांधी-नेहरू परिवार के हाथ में था। कांग्रेस ने आपातकाल की आड़ में वो सभी काम किए जो ना सिर्फ राजनीतिक लिहाज से अशोभनीय थे बल्कि अमानवीय भी थे। प्रेस में सरकार या आपातकाल की आलोचना करना

इंदिरा गांधी की सरकार ने अपने राजनीतिक विरोधियों को जेल में डाल दिया, मीडिया की आजादी छीन ली, लोगों के मौलिक अधिकारों को रौंदा, मानवाधिकारों का उल्लंघन किया और आम नागरिकों को बेरहमी से प्रताड़ित किया गया और हत्या तक की गई।

अपराध की श्रेणी में आ चुका था। प्रेस-मीडिया पर भी सेंसरशिप लगा दी गई थी। हर अखबार में सेंसर अधिकारी तैनात किया गया था। हालात यह थे कि कांग्रेस समर्थित उस अधिकारी के अनुमति के बाद ही कोई समाचार छप सकता था। सरकार विरोधी समाचार छापने पर बिना किसी सुनवाई के गिरफ्तारी हो रही थी।

यही नहीं, कांग्रेस का विरोध करने वाले 26 संगठनों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। 4 जुलाई 1975 को राष्ट्रीय विचार और भारतीयता के लिए काम करने वाले संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगा दिया गया। आपातकाल के मुखर आलोचक रहे फिल्मी कलाकारों को भी इसका दंश झेलना पड़ा। किशोर कुमार के गानों को रेडियो और दूरदर्शन पर बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। देव आनंद को भी अनौपचारिक प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था।

देश में आपातकाल लागू होने के बाद कई त्रासद घटनाएं हुईं। दिल्ली का तुर्कमान गेट कांड भी इनमें एक था। मुस्लिम बहुल उस इलाके को संजय गांधी ने दिल्ली के सौंदर्यीकरण के नाम पर खाली करा दिया। यह काम लोगों की सहमति से नहीं, बल्कि जबरन किया गया गया। बुल्डोजर से लोगों के घर ढहाए गए। जिन्होंने विरोध किया, उन्हें जेलों में ठूंस दिया गया। विरोध के दौरान पुलिस ने लाठियां बरसाईं और आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस ने गोलियां भी चलाईं। चार लोगों की जान चली गई।

संजय गांधी की सनक के चलते सड़क से भिखारियों, झोपड़पट्टी के लोगों और राहगीरों को पकड़ कर जबरन नसबंदी के टार्गेट पूरे किए जाने लगे। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 18 अक्टूबर 1976 को नसबंदी अभियान का विरोध कर रहे आंदोलनकारियों पर पुलिस ने सीधी फायरिंग कर दी थी। जिसमें 42 बेगुनाहों की मौत हो गई थी। मृतकों की स्मृति में यहां शहीद चौक बना हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी के दौरान देशभर में 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी।

21 महीने के बाद जयप्रकाश का आंदोलन निर्णायक मुकाम तक जा पहुंचा। इंदिरा गांधी को सिंहासन छोड़ना पड़ा। मोरारजी देसाई की सरकार ने 28 मई 1977 में आपातकाल के दौरान हुए ज्यादतियों को जानने के लिए जस्टिस जे सी शाह की अध्यक्षता में शाह कमीशन गठित किया। शाह आयोग ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया था कि जिस वक्त आपातकाल की घोषणा की गई उस वक्त ना देश में आर्थिक हालात खराब थे और ना ही कानून व्यवस्था में किसी तरह की कोई अड़चन थी। इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल अपनी इच्छा के अनुसार लगाया था और इस संबंध में उन्होंने अपने पार्टी के कुछ लोगों को छोड़कर किसी भी सहयोगी से कोई विमर्श नहीं किया था।

आपातकाल में गिरफ्तार किए गए अधिकतर सम्मानित और बुजुर्ग नेताओं को चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता थी, जो उन्हें अस्पताल में मौजूद नहीं कराई गई। इंदिरा गांधी की तानाशाही का एक नमूना इस बात से भी पता चलता है कि शाह आयोग ने नसबंदी कार्यक्रम पर सरकार के रवैए की बेहद आलोचना की थी। आयोग ने कहा था कि पटरी पर रहने वाले और भिखारियों की जबरदस्ती नसबंदी की गई इसके साथ-ऑटो रिक्शा चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए नसबंदी सर्टिफिकेट दिखाना अनिवार्य कर दिया गया था। आयोग ने यह स्पष्ट रूप से माना था कि सरकारी तंत्र का उपयोग कर कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए इस पूरे आपातकाल का इस्तेमाल किया गया।

जनवरी 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह स्वीकार किया कि वर्ष 1975 में आपातकाल के समय नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन हुआ था। तत्कालीन अटॉर्नी जनरल नीरेन डे ने तब सुप्रीम कोर्ट में यह कबूल किया था कि जीने का अधिकार स्थगित है। आपातकाल के दौरान प्रेस की स्थिति को लेकर एक श्वेत पत्र 1 अगस्त 1977 में संसद में पेश किया गया। सत्या सी पेज के श्वेत पत्र से यह स्पष्ट हुआ कि तानाशाही की इच्छा रखने वाली इंदिरा गांधी ने अपनी अध्यक्षता में तय किया था कि प्रेस काउंसिल को भंग कर दिया जाए और तत्कालीन चारों समाचार एजेंसियों को मिलाकर एक कर दिया जाए, जिससे उन्हें सेंसर करने और संभालने में आसानी होगी।

राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के जो नेता पिछले कुछ समय अक्सर लोकतंत्र बचाने की बात कर रहे हैं। संसद से सड़क तक वे संविधान की किताब लेकर घूमते हैं, उन्हें याद दिलाना जरूरी है कि उनकी पार्टी के नेता ने दादागिरी करके इस देश पर 21 महीने आपातकाल लगाकर लोगों को जेल में ठूंस दिया था। असल में, 1975 में लगाया हुआ आपातकाल इंदिरा गांधी की गलती नहीं थी, बल्कि इंदिरा गांधी का 卐अहंकार था। दिसंबर 2024 को सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपातकाल का उल्लेख किया और कहा, ''दुनिया में जब भी लोकतंत्र की चर्चा होगी तो कांग्रेस के माथे से कभी यह कलंक मिट नहीं सकेगा क्योंकि लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया था। भारतीय संविधान निर्माताओं की तपस्या को मिट्टी में मिलाने की कोशिश की गई थी।''

-डॉ. आशीष वशिष्ठ
(स्वतंत्र पत्रकार)

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे समस्त राक्षसों के दलों! सुनो, देवतागण हमारे शत्रु हैं। वे सामने आकर युद्ध नहीं करते। बलवान शत्रु को देखकर भाग जाते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तेन्ह कर मरन एक बिधि होई। कहउँ बुझाइ सुनहु अब सोई॥
द्विजभोजन मख होम सराधा। सब कै जाइ करहु तुम्ह बाधा॥

उनका मरण एक ही उपाय से हो सकता है, मैं समझाकर कहता हूँ। अब उसे सुनो। (उनके बल को बढ़ाने वाले) ब्राह्मण भोजन, यज्ञ, हवन और श्राद्ध- इन सबमें जाकर तुम बाधा डालो॥

दो0-छुधा छीन बलहीन सुर सहजेहिं मिलिहहिं आइ।
तब मारिहउँ कि छाड़िहउँ भली भाँति अपनाइ॥

भूख से दुर्बल और बलहीन होकर देवता सहज ही में आ मिलेंगे। तब उनको मैं मार डालूँगा अथवा भलीभाँति अपने अधीन करके (सर्वथा पराधीन करके) छोड़ दूँगा॥

मेघनाद कहूँ पुनि हँकरावा। दीन्हीं सिख बलु बयरु बढ़ावा॥
जे सुर समर धीर बलवाना। जिन्ह कें लरिबे कर अभिमाना॥

फिर उसने मेघनाद को बुलवाया और सिखा-पढ़ाकर उसके बल और देवताओं के प्रति बैरभाव को उत्तेजना दी। (फिर कहा-) हे पुत्र ! जो देवता रण में धीर और बलवान हैं और जिन्हें लड़ने का अभिमान है॥

(क्रमशः...)

जब मानसून जल्दी आ जाए (व्यंग्य)

यह इंसान की गलती तो बिलकुल नहीं मानी जा सकती। यह तो मानसून ने ही जल्दबाजी की है। हमारे यहां अधिकांश सामाजिक, राष्ट्रीय, आर्थिक कार्य देर से करने की परम्परा है। सड़कें ठीक नहीं रखते, गड्ढे पड़ जाएं तो उन्हें भरते नहीं, भरते हैं तो मिटटी से भर देते हैं। बजरी तारकोल से मरम्मत करते हैं तो इतनी बढ़िया करते हैं कि सिर्फ एक ही बारिश में बह जाए। उसमें भी बारिश की गलती होती है जो गलत वक़्त पर आती है। जिन दिनों बारिश का पानी ज्यादा आ जाता है, बेचारे नेताओं को पुराने भाषण दोहराने पड़ते हैं। इससे फायदा यह होता है कि मरम्मत फिर से करने का अनुमान पकाना फिर से शुरू हो जाता है। बस होशियार कर्मचारियों को काम थोडा ज्यादा करना पड़ता है।

हम वृक्षों की शाखाओं की काट छांट भी नहीं करते, चाहते हैं आंधी ज़ोर से आए और शाखाएं तोड़ कर ज़मीन पर गिरा दे। हमें नालियों में फंसे पोलीथिन, उनमें भरा कचरा निकालना बिलकुल अच्छा नहीं लगता। हमें तो गलियों और बाज़ारों के मुहानों पर फेंका और पशुओं द्वारा फैलाया, सड़ता हुआ कचरा बुरा नहीं लगता। हम तो पानी की निकासी पर सीमेंट डाल देते हैं।

इस बार तो मानसून ने जल्दबाज़ी दिखाई है। अभी तो हमने बारिश के लिए हवन भी शुरू नहीं किया था कि बारिश आनी शुरू हो गई। ऊपरवाला इतने साल से हमारे साथ है उसे अब तक तो समझ जाना चाहिए कि हमारी व्यवस्था कैसे चलती है। हम ज़्यादा परवाह नहीं करते। हम तो पीटने, पिटने, मरने, मारने और खासे खतरनाक कारनामों की परवाह नहीं करते, बारिश क्या चीज़ है। हम रिकार्ड बनाने में महारथी हैं। हम अविलम्ब बता सकते हैं कि कहां कहां कितनी बारिश हुई। पिछले एक सौ बारह वर्षों में सबसे अधिक बारिश कहां हुई। पिछले अठ्तर वर्षों में सबसे पहले मानसून कब आया।

इस मामले में सारी गलती प्रबंधन कमेटी, प्रशासन, राजनीति और नेताओं की भी नहीं है। उन्होंने जनता को बिगाड़ना शुरू किया, जनता बिगड़ती रही फिर इतनी बिगड़ गई कि अनुशासन के हाथों से फिसल गई। कुदरत को इतना

इस बार तो मानसून ने जल्दबाज़ी दिखाई है। अभी तो हमने बारिश के लिए हवन भी शुरू नहीं किया था कि बारिश आनी शुरू हो गई। ऊपरवाला इतने साल से हमारे साथ है उसे अब तक तो समझ जाना चाहिए कि हमारी व्यवस्था कैसे चलती है।

बिगाड़ दिया कि छोटा मोटा क्या बड़ा कार्यक्रम भी कर लो, जितने मर्जी भाषण और उपदेश दो। रैलियों में पोस्टर उठवा लो जनता और स्थिति सुधरती ही नहीं।

अब तो विकास चाहने वालों को विनाश भी संभालना पडेगा क्यूंकि यह दोनों साथ साथ आते हैं। इन्हें अलग करने की हिम्मत किसी में नहीं। इन्होंने तो भ्रष्टाचार कूड़े कर्कट की तरह फंसा दिया है। पानी ज़्यादा हो जाए तो डुबो देता है हां कुछ को तैरना भी सिखा देता है। आपदा में अवसर देता है ताकि तैराकी सिखाने वालों को रोजगार मिले। नावों का व्यापार शुरू हो सकता है। बेरोज़गार नावें बेचें, चलाएं लोगों को बचाएं और कमाएं भी। बरसात में जो लोग बीमार होते हैं वे डॉक्टर के लिए कच्चा माल बन जाते हैं। यहां वहां का कचरा बरसात साफ़ कर देती है। टूटती, बहती सड़कें, पुल, रास्ते, गलियां मरम्मत करने वाले विशेषज्ञ, अफसर, ठेकेदार और नेताओं का फायदा करवाती हैं। इस बार ज़रूरी बैठकें भी जल्दबाजी में हो रही होंगी।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

आषाढ़ माह कृष्ण पक्ष प्रतिपदा | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मन अप्रसन्न बना रहेगा। बच्चों को लेकर के चिंतित रहेंगे आप।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
सरकारी पचड़ों में ना पड़ें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम संतान लगभग ठीक है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा कष्टकारी हो सकती है। यद्यपि शुभता बनी रहेगी। प्रेम, संतान अच्छा रहेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। बचकर पार करें। कोई रिस्क ना लें। जोखिम भरा समय है। स्वास्थ्य मध्यम।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। जीवनसाथी के साथ और स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार ठीक-ठाक।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा लेकिन डिस्टरबेंस भी बना रहेगा। कार्यों में विघ्न बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
मानसिक स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा। बच्चों की स्थिति खराब। प्रेम की स्थिति खराब। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय नहीं रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
कलहकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी में अड़चन का सामना करना पड़ेगा।

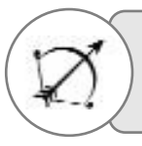

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
व्यापारिक स्थिति मध्यम। नाक, कान, गला की परेशानी होगी। स्वयं का स्वास्थ्य और अपनों का स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
धन हानि के संकेत हैं। जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसे न लगाएं। आर्थिक रिस्क बिल्कुल न लें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
घबराहट बेचैनी बनी रहेगी। नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। मन खिन्न रहेगा। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सिर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय सताएगा। खर्च की अधिकता रहेगी। अनाब शनाब खर्चे होंगे। स्वास्थ्य मध्यम।

आपातकाल पर भाजपा ने किया गोष्ठी का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आपातकाल की 49वीं बरसी पर गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन बादलपुर मंडल के पटवारी का बाग गांव में किया गया। इस कार्यक्रम में देश के लोकतंत्र पर 1975 में लगे आपातकाल की विभीषिका को याद किया गया और जनमानस को उस ऐतिहासिक त्रासदी से सचेत रहने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नोएडा विधायक व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह, विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी, दादरी विधायक मास्टर तेजपाल नागर एवं भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा मौजूद रहे। गोष्ठी की अध्यक्षता आपातकाल लोकतंत्र सेनानी किशनलाल पाराशर ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज ने किया।

पंकज सिंह ने कहा कि 25 जून 1975 का आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय है, जिसे देश कभी नहीं भुला सकता। उस समय नागरिकों के मौलिक अधिकार छीने गए, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ताला जड़ दिया गया, प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई और विरोधियों को जेल में ठूंस दिया गया। यह सब केवल सत्ता की भूख के कारण हुआ।

विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि आपातकाल में विपक्षी नेताओं को जेल में ठूंसा गया, लोगों की जबरन नसबंदी कराई गई और पत्रकारों को प्रताड़ित किया गया। यह लोकतंत्र का खुला दमन था।

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष विजय भाटी, महामंत्री दीपक भारद्वाज, जिला उपाध्यक्ष सतेन्द्र नागर, देवा भाटी, पवन नागर, वीरेंद्र भाटी, रवि जिंदल, कर्मवीर आर्य, महेंद्र नागर, अर्पित तिवारी, धीर राणा, राजीव सिंघल, सुधीर कौशिक, अरुण प्रधान, अमन कौशिक, ओमकार भाटी, मुकेश चौहान, अशोक रावल, मनवीर नागर आदि लोग उपस्थित रहे।

'उम्मीद संस्था' ने दिव्यांगजन को वितरित किए सहायक उपकरण

दादरी (चेतना मंच)। सामाजिक सरोकार और सेवा भावना के तहत कोट गांव में 'उम्मीद संस्था' के सहयोग से एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 57 दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों को श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, इलेक्ट्रिक स्कूटी, चलने की छड़ियां, गर्म पट्टियां, घुटनों की पट्टियां, कान की लीड आदि सहायक उपकरण निशुल्क वितरित किए गए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गांव के हरि प्रधान ने उनके निवास स्थान पर की।

'उम्मीद संस्था' के संस्थापक एवं संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार नागर ने बताया कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस दृष्टिकोण को धरातल पर उतारने की दिशा में एक प्रयास है, जिसमें हर दिव्यांगजन को सक्षम, स्वावलंबी और सम्मानजनक जीवन की ओर अग्रसर करने के लिए सहायक उपकरण उपलब्ध कराना शामिल है।

डॉ. नागर ने कहा कि संस्था का संकल्प है कि हर जरूरतमंद दिव्यांगजन तक कैंप लगाकर सहायता पहुँचाई जाएगी। उपकरण पाकर दिव्यांगजन और बुजुर्गों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कई लोगों ने बताया कि ये संसाधन उनके लिए न केवल सहारा हैं बल्कि आत्मविश्वास की नई शुरुआत भी हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित दादरी तहसील अध्यक्ष राजकुमार रूपबास ने कहा कि हमें न सिर्फ बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की पेंशन या कागजी कार्रवाई में मदद करनी चाहिए, बल्कि उन्हें आवश्यक उपकरण और संसाधन भी दिलवाने में आगे आना चाहिए। गरीब, किसान, मजदूर और बेसहारा लोगों की सेवा ही सच्ची जनसेवा है। उन्होंने 'उम्मीद संस्था' को इस सेवा कार्य के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि संस्था नि:शुल्क पुस्तक वितरण से लेकर मानव सेवा तक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इस अवसर पर मास्टर ब्रह्म सिंह नागर, प्रधानाचार्य मनोज कुमार नागर, देशराज प्रधान, अजब सिंह प्रधान, रामफल सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

सीटू का देशव्यापी हड़ताल 9 जुलाई को

नोएडा (चेतना मंच)। श्रमिकों की मांगों को लेकर आगामी 9 जुलाई को प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल तथा 1 से 3 जुलाई 2025 तक बीएचईएल, सेक्टर-16ए में होने वाली तालाबंदी को लेकर सीटू जिला कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक सीटू कार्यालय, सेक्टर-8 नोएडा में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने की।

सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बैठक में कहा कि 9 जुलाई की देशव्यापी हड़ताल को गौतमबुद्ध नगर में सफल बनाने के लिए एक व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। बैठक में मुकेश कुमार राघव, रामकिशन सिंह, टीकम सिंह, छोटू, रामस्वारथ, रंजीत तिवारी सहित कई सीटू पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आपातकाल की 50वीं बरसी पर संगोष्ठी

भदोही। लोकतंत्र पर लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी भदोही जिला इकाई द्वारा एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री व भदोही के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, संगठन पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में जनमानस की उपस्थिति रही।

ए.के. शर्मा ने कहा कि 25 जून 1975 की आधी रात देश के इतिहास की सबसे काली रातों में से एक है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता बचाने के लिए संविधान की आत्मा को रौंदते हुए देश पर आपातकाल थोप दिया था। यह निर्णय युद्ध, विद्रोह या आंतरिक संकट के कारण नहीं, बल्कि अपने चुनाव को रद्द किए जाने के बाद हताशा में लिया गया था।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचलकर लोकतंत्र पर कुठाराघात किया। आज भी कांग्रेस की मानसिकता वैसी ही है चेहरे बदल गए हैं, लेकिन सत्ता का लोभ और तानाशाही की प्रवृत्ति जस की तस है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे दुष्प्रचार को कांग्रेस की डिजिटल इमरजेंसी बताते हुए कहा कि अब ये पार्टी लोकतंत्र का मुखौटा पहनकर लोकतंत्र को ही नुकसान पहुँचा रही है।

भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा कि 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी को चुनाव में दोषी ठहराया और 6 वर्षों तक किसी भी निर्वाचित पद पर रहने से अयोग्य घोषित किया। इसके बाद उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग कर 25 जून को आपातकाल घोषित कर दिया।

नेताओं को रातों-रात जेलों में डाल दिया गया, प्रेस की बिजली काट दी गई, और देश की जनता को 26 जून की सुबह रेडियो के ज़रिए तानाशाही की सूचना मिली।

दीपक मिश्रा ने कहा कि आपातकाल के दौरान लोकतंत्र सेनानियों ने संघर्ष की जो मिसाल कायम की, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस समय एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहे थे, लेकिन उन्होंने भी पर्चे बांटकर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया।

इस अवसर पर सांसद भदोही डॉ. विनोद बिंद, पूर्व मंत्री रंगनाथ मिश्रा, पूर्व सांसद गोरखनाथ पांडेय, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, पूर्व विधायक रविंद्रनाथ त्रिपाठी, विधायक औराई दीनानाथ भास्कर, विधायक ज्ञानपुर विपुल दुबे, क्षेत्रीय मंत्री आशीष सिंह, डॉ. अश्विनी मौर्य, मदनलाल बिंद, कार्यक्रम संयोजक गोरेलाल पांडेय, विनय श्रीवास्तव, हौसला प्रसाद पाठक, संतोष पांडेय, योगेंद्र सिंह, सत्यशील गुप्ता, लालता प्रसाद सोनकर, अभय राज सिंह, राकेश गुप्ता, शिवम तिवारी, दीपक सिंह, योगेश राय, पप्पू तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

किशोरी को भगा ले गया युवक

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के असगरपुर गांव से 13 वर्षीय किशोरी को एक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। किशोरी के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। असगरपुर गांव में किराए पर रहने वाले मनोज दास (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी 13 वर्षीय बेटी 16 जून को अचानक घर से लापता हो गई। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

खोजबीन के दौरान पता चला कि उसकी नाबालिग बेटी को गांव के एक रिश्तेदार रवि बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। जब उन्होंने रवि के भाई राजू से इस संबंध में पूछा, तो उसने कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और किशोरी की तलाश किया जा रहा है।

जेसीबी व डंपर से बैटरियां चोरी

नोएडा(चेतना मंच)। सेक्टर-123 स्थित उन्नति विहार में ट्रांसपोर्टर के ऑफिस के बाहर खड़ी जेसीबी और डंपर से चोरों ने 11 बैटरियां चोरी कर लीं। पीड़ित ने थाना सेक्टर-113 में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। दीपक विहार, खोड़ा कॉलोनी निवासी फरदीन चौधरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका कार्यालय सेक्टर-123, उन्नति विहार में स्थित है। 6 जून को उन्होंने अपनी जेसीबी और डंपर ऑफिस के बाहर खड़े किए थे। इसके बाद वह और उनका स्टाफ अपने-अपने घर चले गए। 7 जून की सुबह जब वह ऑफिस पहुंचे तो देखा कि जेसीबी और डंपर की कुल 11 बैटरियां गायब थीं। उन्होंने आसपास तलाश की, लेकिन बैटरियों का कोई सुराग नहीं मिला। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस को कुछ अहम सुराग मिले हैं और उम्मीद है कि जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री को सौंपे गए पत्रक में पक्के पुल के निर्माण का नहीं था जिक्र

भदोही (चेतना मंच)। भदोही जिले के देंगुरपुर घाट पर बनने वाले पक्के पुल के निर्माण को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वीकृति दे दी गई है। लेकिन अब इस प्रकरण में एक नया मोड़ आ गया है।

सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हालिया भदोही आगमन के दौरान स्थानीय प्रतिनिधियों द्वारा जो मांग पत्र उन्हें सौंपा गया, उसमें पक्के पुल के निर्माण का कोई उल्लेख नहीं था। उसमें केवल गंगा पुल पर आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) बनाने की मांग की गई थी, जबकि देंगुरपुर पर घाट पर पक्के पुल की मांग काफी समय से उठती आ रही है।

जनप्रतिनिधियों द्वारा इस महत्वपूर्ण मांग को पत्र में शामिल न करने को लेकर जिले में तेजी से चर्चा चल रही है। कई लोग हैरान हैं कि जनता की बहुप्रतीक्षित और आवश्यक मांग को आखिर क्यों नजरअंदाज किया गया? सूत्रों का यह भी कहना है कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा मुख्यमंत्री को जो पत्र सौंपा गया, उसमें देंगुरपुर पर घाट पर पुल निर्माण की जगह केवल आरओबी का उल्लेख था। अब यह बात जिले की राजनैतिक गलियों में चर्चाओं का विषय बन गई है।

जनता यह समझने में असमर्थ है कि जनप्रतिनिधियों ने ऐसा क्यों किया और किस कारण से किया। यह विषय धीरे-धीरे एक राजनीतिक बहस का रूप लेता दिख रहा है।

पूर्वोत्तर रेलवे

निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/विद्युत/पूर्वोत्तर रेलवे/इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं 1:– खुली ई–निविदा सूचना सं. इज्जत/इलै./ओटी/09/2025, दिनांक 18.06.2025, कार्य का नाम: इज्जतनगर मण्डल की विभिन्न गाड़ियों की पावर कार के कमिंस निर्मित डीए जनरेटर सेट एवं अन्य उपकरणों की काम्प्रीहेन्सिव ए.एम.सी., सहित डीजल इंजन, अल्टरनेटर और पावर कारों के विभिन्न मेक के अन्य उपकरणों की ए–चेक, बी–चेक और सी–चेक अनुरक्षण तथा ट्रेनों में पावर कार और एल.एस.एल.आर.डी. कोच की 02 वर्ष की अवधि हेतु ऑनबोर्ड एस्कॉर्टिंग कार्य। अनुमानित लागत रू में: ₹1,18,82,066.58, धरोहर राशि रू में: ₹2,09,500.00 निविदा प्रपत्र का मूल्य रू में: शुन्य, ई–निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय: 10.07.2025, 15.00 बजे तक, स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: 24 माह।

क्रम सं 2:– खुली ई–निविदा सूचना सं. इज्जत/इलै./ओटी/07/2025, दिनांक 24.06.2025, कार्य का नाम: इज्जतनगर मंडल के रामनगर यार्ड की रिमॉडलिंग एवं नई वाशिंग पिट के निर्माण में अवरोधक विभिन्न संरचनाओं के विस्थापन एवं यात्री सुविधाओं में संवर्धन सम्बन्धित विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रू में: ₹80,88,934.92 धरोहर राशि रू में: ₹1,61,800.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रू में: शुन्य, ई–निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय: 15.07.2025, 15.00 बजे तक, स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: 06 माह।

इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दिया गया है। निविदादाता के पास क्लास–III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय अपलोड किये जाने चाहिये। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे समय–समय पर ऑनलाइन जारी किए गए शुद्धिपत्र की जांच करें, यदि कोई हो। समाचार पत्र में अलग से कोई प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(सा.)/मुजाधि/विद्युत–68 **इज्जतनगर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

द्वितीय तल, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, सैक्टर ओमेगा, (पी–2), ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर (उ0प्र0)
दूरभाष नं.: 0120–2395151, फैक्स नं.: 0120–2395150, वेबसाइट : www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांक – वाई0ई0ए0/GM(P)/2025/362 **ई–निविदा सूचना** दिनांक: 25.06.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्र सरकार/राज्य सरकार/केन्द्र शासित/अर्द्धशासिक/सार्वजनिक उपक्रमों के कार्यों का कम से कम चार वर्ष का अनुभव रखने वाले ठेकेदारों/फर्मों से ई–निविदायें आमन्त्रित की जाती है। ई–प्रीक्योरमेंटसोल्यूशन द्वारा निविदायें द्विस्तरीय पद्धति से खोली जायेंगी।

कार्यालय आदेश संख्या : वाई.ई.ए./GM(P)/2025/361 दिनांक 25.06.2025 के अनुपालन में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की कार्यों में संविदाकार द्वारा बिल ऑफ क्वान्टिटी (बी0ओ0क्यू0) पर डाले गये 10 प्रतिशत कम दरों तक 0.5 प्रतिशत प्रति एक प्रतिशत कम दर पर तथा उसके पश्चात 10 प्रतिशत से अधिक कम दरों पर 1.00 प्रतिशत प्रति एक प्रतिशत कम दर पर सिक्योरिटी/परफॉर्मेन्स गारन्टी प्राप्त की जायेगी तथा परफॉर्मेन्स गारन्टी एफ0डी0आर0/सी0डी0आर0/बैंक गारन्टी/एन0एस0सी0 के रूप में न्यूनतम संविदाकार द्वारा अनुबन्ध गठन से पूर्व देनी होगी, जो कार्य के अन्तिम बीजक होने के बाद वापिस होगी।

क्रम सं0	कार्य का नाम / वर्क सर्किल	अनुमानित लागत
1	Maintenance of panchayta ghar for E-Library in village Dudhera and sirsa Manchipur YEA. **WC-06**	रु0 28.00 लाख
2	Barbed wire fencing work on 50 mtr wide green belt along 30mtr wide road and central verge of 30 mtr road sector 22E yeida. **WC-H**	रु0 34.84 लाख
3	Barbed wire fencing work of 45mtr. wide road central verge along 5A, 5B & 5C sector 18 yeida. **WC-H**	रु0 21.14 लाख
4	D/o parks in Pocket E, L&M sector -20 with two years maintenance yea. **WC-H**	रु0 33.06 लाख
5	Providing and laying work main road side pond Devendar Bhhudev Singh home to main road and other gali in village -Dayantpur YEA. **WC-06**	रु0 40.74 लाख
6	D/o 01 park & m/o 04 parks in pocket R sector-20 with two years maintenance yea. **WC-H**	रु0 56.66 लाख
7	Plantation of trees shrub in internal road pocket 5B sector- 18 with two years maintenance yeida. **WC-H**	रु0 28.04 लाख
8	Plantation of trees&shrub in 45 mtr. - wide road along 5A,5B & 5C and internal road pocket5C sector 18 with two year maintenance for yeida. **WC-H**	रु0 45.27 लाख

जिन्हें दिनांक 27.06.2025 से 07.07.2025 को 5:00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई–निविदाओं की प्री–क्वालीफिकेशन दिनांक 09.07.2025 को प्रातः 11:00 बजे खोली जायेगी।

क्रम सं0	कार्य का नाम / वर्क सर्किल	अनुमानित लागत
9	D/o park 3&4 sector 33 with two years maintenance yeida. **WC-H**	रु0 34.92 लाख
10	Providing and laying interlocking tiles vinod to mata matth and temporary laying of kharanja kushal veer to Sector-29 road jagveer to ramesh in village -tirthali kheda and santosh to mukesh to sector road (Nangla Handa) YEA. **WC-06**	रु0 21.99 लाख
11	Pond Rejuvenation in village -Veerampur and Dhansiya YEA. **WC-06**	रु0 22.12 लाख
12	Pond Rejuvenation in village-Ranhera (03 ponds) YEA. **WC-06**	रु0 40.33 लाख
13	Construction of boundary wall Ambedkar park, interlocking tiles and R.C.C in village -sabota Mustafabad, YEA. **WC-06**	रु0 167.00 लाख
14	Providing and fixing new handpumpes Rebore & Repairing of existing handpump in 107 villages/R&R(2025) of yeida **WC-06**	रु0 167.22 लाख
15	Resurfacing work of 45.00mtr wide road along GH-03A to 3D & GH-04 in Sec-22D yea. **WC-02**	रु0 167.88 लाख

जिन्हें दिनांक 30.06.2025 से 09.07.2025 को 5:00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई–निविदाओं की प्री–क्वालीफिकेशन दिनांक 11.07.2025 को प्रातः 11:00 बजे खोली जायेगी।

क्रम सं0	कार्य का नाम / वर्क सर्किल	अनुमानित लागत
16	C/o 30mtr. wide road drain & Sewerge system between Plot No TS-1B & GH-16, GH-15 in Sec-22D yea. **WC-02**	रु0 563.98 लाख

जिन्हें दिनांक 30.06.2025 से 14.07.2025 को 5:00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई–निविदाओं की प्री–क्वालीफिकेशन दिनांक 16.07.2025 को प्रातः 11:00 बजे खोली जायेगी।

1. निविदा प्रपत्र उत्तर प्रदेश इलैक्ट्रानिक्स कारपोरेशन की वेबसाइट **http://etender.up.nic.in** पर देखे जा सकते हैं। इच्छुक ठेकेदारों से अनुरोध है कि वे नियमित रुप से उक्त वेबसाइटों को देखते रहें क्योकि निविदाओं के सम्बन्ध में कोई बदलाव अथवा अतिरिक्त सूचना वेबसाइट पर ही उपलब्ध करायी जायेगी। **महाप्रबन्धक (परियोजना)**

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

कविता

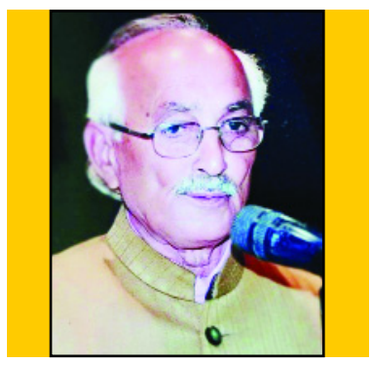

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

तिकड़मबाजों ने मिलकर,
कुछ ऐसी नफरत बोई है,
मानवता- एकता- शांति हा
फूट-फूट कर रोई है

खास खबर

हीली अभी नहीं लेंगी संन्याय

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने कहा है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है और वह इसी साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के बाद भी खेलती रहेंगी। 35 साल की इस क्रिकेटर ने कहा है कि वह साल 2026 में भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज तक तो रहेंगी ही। हीली पिछले साल से ही लगातार चोटों से परेशान रही हैं, टी20 विश्व कप के दौरान उनके पैर में स्ट्रेस फ्रेक्चर भी हुआ था। इसके बाद घुटने में दर्द के कारण उन्हें कई मैचों से बाहर होना पड़ा। हीली ने माना है कि पहले वह इस साल भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के बाद संन्यास लेने का सोच रहीं थीं पर अब उनका इरादा बदल गया है। हीली ने कहा, मेरे संन्यास लेने की तारीख बदल गई है। फिटनेस में आ रही परेशानी के कारण मैं अब भी शायद जितना सोचा था, उससे थोड़ा अधिक करना चाहती हूं। वह ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से की घरेलू मैदान पर एशेज जीत के दौरान कुछ मैच खेलीं पर फिट नहीं होने के कारा न्यूजीलैंड के दौरे और भारत में महिला प्रीमियर लीग में भाग नहीं ले पाई।

गांगुली ने की कोच गंभीर की जमकर प्रशंसा

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने टीम के कोच गौतम गंभीर की तारीफ करते हुए कहा कि दुबई में चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से उन्होंने लय पकड़ ली है। उन्होंने कहा, ह्यगंभीर अच्छा कर रहा है। शुरूआत धीमी रही जब ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से हारे पर चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद उन्होंने लय पकड़ ली। उन्होंने गंभीर के जुनून की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ह्यइस भूमिका में मैने उसे बहुत करीब से नहीं देखा है पर मैने उसका जुनून देखा है। मैने उसकी रणनीतियों को करीब से नहीं देखा क्योंकि उसके कोच रहते मैने उसके साथ काम नहीं किया। गांगुली ने कहा, वह सीधी बात करता है और चीजों को साफ देखता है। वह अपने विचार खुलकर रखता है। टीम के बारे में, खिलाड़ियों , लोगों और सबके बारे में। बाहर से आप कह सकते हैं कि वह काफी पारदर्शी इंसान है।

नेमार ने सैंटोस के साथ बढ़ाया अनुबंध

साओ पाउलो। ब्राजीलियाई स्टार फुटबॉलर नेमार ने अपने घरेलू क्लब सैंटोस एफसी के साथ अपना अनुबंध दिसंबर 2025 तक बढ़ा दिया है। क्लब में जनवरी 2025 के अंत में लौटने के बाद चोटों के कारण उनका योगदान सीमित रहा है। उनका मौजूदा करार इसी सप्ताह समाप्त होने वाला था, जिसे अब छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। नेमार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा,ह्यमैंने सैंटोस के साथ अपना अनुबंध बढ़ा दिया है। मैं गया, वापस आया और वहीं रुका जहां सब कुछ शुरू हुआ था – और जहां यह कभी खत्म नहीं होगा। हालांकि, अनुबंध को 2026 विश्व कप तक क्यों नहीं बढ़ाया गया, इस पर न तो नेमार और न ही क्लब की ओर से कोई स्पष्टीकरण दिया गया। गौरतलब है कि नए ब्राजील कोच कार्लो एंसेलोटी ने हाल ही में संकेत दिया था कि वह नेमार की फिटनेस पर भरोसा कर रहे हैं और उन्हें 2026 विश्व कप में खेलते देखना चाहते हैं। सैंटोस के लिए अपने पहले कार्यकाल में नेमार ने 225 मैचों में 138 गोल किए थे और क्लब को 6 प्रमुख खिताब जिताने में मदद की थी।

चेल्सी ने एस्पेरांस को 3-0 से हराया

- नॉकआउट में बेनफिका से होगा मुकाबला

फीफा क्लब वर्ल्ड कप

एजेंसी

फिलाडेल्फिया। फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 में चेल्सी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप डी के अंतिम मुकाबले में एस्पेरांस डी ट्यूनिस को 3-0 से हराकर नॉकआउट (राउंड ऑफ 16) में जगह बना ली है। इस मुकाबले में चेल्सी की ओर से टोसीन अदराबायोयो, लियाम डेलैप और टायरिक जॉर्ज ने गोल दागे।

चेल्सी ग्रुप डी में 7 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि फ्लेमेंगो ने लॉस एंजेलेस एफसी के खिलाफ 1-1 की बराबरी के साथ ग्रुप में टॉप किया। एस्पेरांस तीन अंकों के साथ तीसरे और एलएएफसी एक अंक के साथ सबसे नीचे रहा। अब चेल्सी का सामना शनिवार को ग्रुप सी की विजेता टीम बेनफिका से होगा। यह मुकाबला शार्लोट के बैंक ऑफ अमेरिका स्टेडियम में खेला जाएगा। फ्लेमेंगो रविवार को मियामी में बायर्न म्यूनिख से भिड़ेगा, जो ग्रुप सी की उपविजेता रही। चेल्सी के मैनेजर एंजो मारेस्का ने इस मुकाबले में अपने कई अहम खिलाड़ियों को आराम दिया, जिनमें कोल पामर और गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज प्रमुख रहे। इसके अलावा, स्ट्राइकर निकोलस जैक्सन पर दो मैचों का निलंबन चल रहा है, जिससे वह इस मुकाबले में भी नहीं खेले। 30 मिलियन पाउंड में इप्सविच टाउन से खरीदे गए लियाम डेलैप ने शुरूआती मिनटों में दो गोल के मौके गंवाए, लेकिन पहले हाफ के इंजुरी टाइम में अदराबायोयो के हेडर से टीम को बढ़त मिली। कुछ सेकंड बाद ही डेलैप ने गलती का सुधार करते हुए शानदार गोल दागा और स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में चेल्सी ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और रक्षात्मक रूप से मजबूत नजर आई।

अतिरिक्त समय में सब्स्टीट्यूट टायरिक जॉर्ज ने बॉक्स के बाहर से जबरदस्त शॉट लगाकर स्कोर 3-0 कर दिया और जीत की औपचारिकता पूरी की। अब चेल्सी की नजर शनिवार को बेनफिका के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले पर है, जहां जीत से वह टूर्नामेंट के अंतिम चरण की ओर अग्रसर होगी।

आयुष की भारतीय अंडर-19 टीम ने इंग्लैंड यंग लायंस को हराया

एजेंसी

लॉफबोरो । एक ओर जहां शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम को पहले टेस्ट मैच में बड़े स्कोर के बाद भी हार का सामना करना पड़ा है। वहीं भारतीय अंडर-19 टीम ने लॉफबोरो में खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड यंग लायंस को 231 रनों से हरा दिया। आयुष म्हात्रे की कप्तानी में ;२ भारतीय जूनियर टीम इस मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में हावी रही। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय अंडर-19 टीम ने इस मैच में 50 ओवरों में 9 विकेट पर 444 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। इसे बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड यंग लायंस की टीम केवल 213 रन ही बना पायी। भारतीय जूनियर टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज हरवंश पंगालिया के नाबाद शतक 103 रनों की अहम भूमिका रही। इस बल्लेबाज के सामने मेजबान टीम के गेंदबाज टिक नहीं पाये। हरवंश के अलावा, राहुल कुमार, कनिष्क चौहान और आरएस अमरीश ने भी अर्धशतक लगाये। इन बल्लेबाजों ने इंग्लैंड यंग लायंस के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। 445 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड यंग लायंस की शुरूआत अच्छी नहीं रही। लायंस की ओर से कप्तान विल बेनिसन ने शतकीय पारी खेली पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज असफल रहे। भारतीय अंडर-19 टीम के गेंदबाजों ने इस मैच में कसी हुई गेंदबाजी की जिससे इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बन गया।

पांच शतक लगाने के बावजूद टेस्ट हारने वाली पहली टीम बनी भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने टेस्ट इतिहास में एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। भारत ऐसी पहली टीम बन गई है जो पांच बल्लेबाजों के शतक के बावजूद कोई टेस्ट मैच हार गई हो। इससे पहले कभी भी किसी टीम को चार या उससे अधिक शतक लगने के बाद हार का सामना नहीं करना पड़ा था। यह रिकॉर्ड आखिरी बार 1928 में तब दर्ज हुआ था, जब ऑस्ट्रेलिया ने एमसीजी पर इंग्लैंड से हार झेली थी। यह ऐतिहासिक हार हेडिंग्ले टेस्ट में दर्ज हुई, जहां इंग्लैंड ने 371 रनों के लक्ष्य का पीछा कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस यादगार जीत के नायक रहे बेन डकेट, जिन्होंने मात्र 149 रन की विस्फोटक पारी खेलकर चेज की नींव रखी। डकेट ने जैक क्रॉली के साथ पहले विकेट के लिए 188 रनों की साझेदारी की। क्रॉली ने संयमित 65 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों को भारतीय फील्डिंग में मिले जीवनदान का भरपूर फायदा मिला – क्रॉली 42 पर और डकेट 97 पर जीवनदान पाकर आगे बढ़े। भारत की ओर से पांच बल्लेबाजों ने शतक जमाए, लेकिन गेंदबाजी और फील्डिंग में चूकों ने टीम को भारी नुकसान पहुंचाया। आखिरी दिन इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाते हुए भारत से जीत छीन ली। अब भारत को एजबेस्टन टेस्ट से पहले जल्दी संभलने की जरूरत है। टीम चयन में बदलाव की संभावना है, खासकर जब कुलदीप यादव जैसे कलाई के स्पिनर बेंच पर तैयार हैं। यह हार सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि भारत के लिए चेतावनी है कि केवल रन बनाना काफी नहीं – मौके भुनाना और गेंदबाजी में धार लाना भी उतना ही जरूरी है।

आईसीसी रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंचे ऋषभ

एजेंसी

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गये हैं। ऋषभ को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में दो शतक लगाने से लाभ हुआ है। इससे वह एक स्थान के लाभ के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऋषभ के अभी 801 रेटिंग अंक हैं। यह उनके करियर की सबसे अच्छी रेटिंग है। उन्होंने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन बनाए थे। भारतीय टीम कप्तान शुभमन गिल को भी शतक लगाने से लाभ हुआ है और पांच स्थान ऊपर आये हैं। शुभमन ने 147 रन बनाये थे जिससे अब वह 20 वें नंबर पर पहुंच गये हैं। भारत के यशस्वी जायसवाल ने भी पहले टेस्ट में शतक लगाया था। जिससे वह चौथे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को बल्लेबाजों की सूची में पांच स्थान का लाभ हुआ है। इससे डकेट अब आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। डकेट की 149 रनों की पारी से इंग्लैंड को जीत मिली। डकेट ने पहली पारी में अर्धशतक लगाया था।

पृष्ठ एक के शेष....

ग्रीन डाटा सेंटर...

कंपनी ने घाटे से उभरते हुए आज अपनी स्थिति बदल ली है और लाभांश का चेक भी मंत्री को सौप है। उन्होंने कहा कि सीईएल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जब 2047 में हमारा देश शताब्दी वर्ष बनाएं तो उस समय हमारा भारत लाचार ना हो दुनिया के सामने अभाव में ना रहे बल्कि एक आत्मनिर्भर और विकसित भारत बने। इस संकल्प को पूरा करने के लिए सभी देशवासियों को काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीईएल रेलवे, डिफेंस और रिनूवल एनर्जी के क्षेत्र में काम कर रहा है और अपनी प्रौद्योगिकी और इनोवेशन का लाभ देश को पहुंचा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र व उत्तर प्रदेश की डबल इंजन की सरकार ने उत्तर प्रदेश की तस्वीर को बदलने का काम किया है। 8 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश की जो तस्वीर थी वह अब बदल चुकी है। पिछले 8 वर्षों में सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था ढाई गुना बड़ी है। साथ ही 6 करोड लोगों को गरीबी रेखा से उभरने में सरकार कामयाब हुई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले 8 सालों में उत्तर प्रदेश को 50 लाख करोड रुपए के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। जिनमें से 15 लाख करोड़ के प्रस्तावों को प्रदेश व केंद्र की सरकार के प्रयासों से जमीनी स्तर पर उतर गया है।

इनामी बदमाश...

15 जून को एक व्यक्ति के घर में घुसकर जमकर मारपीट की थी। मारपीट के दौरान आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग भी की थी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पीड़ित ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में फरार चलने के कारण पुलिस ने आरोपी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके अन्य साथियों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं।

पुलिस में शिकायत...

नजरअंदाज कर दिया और अपनी पत्नी व साले को घर के अंदर भेज दिया। जब वह गाड़ी पार्क कर रहा था, तभी वहां मौजूद युवकों में से केशव पुत्र अजय उसके पास आया और पूछने लगा कि उसने उसकी शिकायत पुलिस से क्यों की। इस बात को लेकर कहासुनी होने लगी।

इसी दौरान पास खड़े पुष्कर और पीजी संचालक रमन बंसल भी वहां आ गए और तीनों ने मिलकर दिव्यांश के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान दिव्यांश के गले में पहनी हुई सोने की चेन टूटकर गिर गई। दिव्यांश के अनुसार, शोर सुनकर उसकी पत्नी और मकान मालिक बाहर आए, लेकिन इसके बावजूद आरोपी उसकी पिटाई करते रहे। दिव्यांश ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस आरोपियों को थाने लउे आई। पुलिस ने बताया कि दिव्यांश की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है

युवक ने खुद को...

वह अपनी गांव की अधिकांश जमीन बेच चुका था। हाल ही में वह रायपुर बांगर स्थित लाल बिल्डिंग में एक व्यक्ति के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए की जा रही है।

महिला को आत्महत्या...

24 जून को भी नजमा को इस कदर प्रताड़ित किया गया कि उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस्लाम का यह भी आरोप है कि नजमा की मौत के बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने साक्ष्य भी मिटा दिए।

पुलिस ने मृतका के पति असलम, ससुर शकूर, सास अनवरी, देवर अशरफ और देवरानी रेशमा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

नगला चरणदास में...

इस अवसर पर नोएडा प्राधिकरण के विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग के महाप्रबंधक आर.पी. सिंह, ओएसडी इन्दू प्रकाश, जनस्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एस.पी. सिंह, सिविल विभाग के उपमहाप्रबंधक विजय रावल, वर्क सक्रिल-1 के प्रभारी अनिल कुमार, भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, अशोक मिश्रा, भूपेश चौधरी, धमेन्द्र चौहान, संजय बाली, अमित त्यागी, विनोद शर्मा, डिम्पल आंनद, करतार चौहान, उमेश त्यागी, भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष ओमवीर अवाना समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।

9 करोड़ रुपये का...

करा लिया और करोड़ों की रकम हड़प ली। इस मामले में मेट्रो प्रबंधन ने एफआईआर दर्ज कराई थी।

नोएडा की एडिशनल डीसीपी साइबर क्राइम मनीषा सिंह ने बताया कि आरोपी वैभव कुमार, मेट्रो अस्पताल में रिकवरी ऑफिसर था। उसने अपने साथी अंकुर त्यागी के साथ मिलकर अस्पताल के बैंक खाते को बदलने की साजिश रची। इसके तहत अस्पताल की अधिकृत ईमेल आईडी का दुरुपयोग करते हुए एमसीडी के अकाउंट सेक्शन को मेल भेजी, जिसमें तीन नए फर्जी बैंक खाते दिए गए।

इन खातों को मेट्रो अस्पताल के असली खातों के रूप में पेश किया गया, ताकि केशलैस स्कीम से जुड़ी रकम इन फर्जी खातों में ट्रांसफर हो सके। एमसीडी को गुमराह कर इन अकाउंट्स में लगभग 9 करोड़ रुपये ट्रांसफर करवा लिए गए। इन ट्रांजैक्शनों को छिपाने के लिए कई सहयोगियों और खातों का उपयोग किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 77,330 नकद, आई फोन प्रो बरामद किया गया है।

डीसीपी साइबर क्राइम मनीषा सिंह ने बताया कि यह फ्रॉड गाजियाबाद से संचालित किया जा रहा था, और वहां से ही दोनों को गिरफ्तार किया गया। इस घोटाले में तीसरे आरोपी शुभन की भी भूमिका सामने आई है, जिसने फर्जी अकाउंट मुहैया कराए। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

पूछताछ में पता चला कि वैभव पूर्व में दिल्ली के कड़कड़डूमा क्षेत्र स्थित एक अस्पताल में भी रिकवरी ऑफिसर था, जहाँ उसकी मुलाकात विजय कुमार अग्रवाल और अंकुर त्यागी से हुई। वहीं से इनकी आपसी मिलीभगत की शुरुआत हुई। वैभव के नोएडा अस्पताल में स्थानांतरित होने के बाद, विजय ने सलाह दी कि एमसीडी को फर्जी अकाउंट मेल कर, वहां से आने वाले भुगतान को ठगा जाए। इसी योजना के तहत धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया। बैंक अकाउंट शुभम ने उपलब्ध कराई थी।

अब वाणिज्यिक भूखंड...

की आवंटन दर पहले ही अधिक होने से योजना में निवेशको की रूचि कम रही है। लोकेशन चार्ज लगने से आवंटन दर में और बढ़ोतरी हो जाएगी। जिससे निवेशक कही और हतोत्साहित न हो जाए। हालांकि बोर्ड ने यूनिफाइड पॉलिसी के अनुसार ही योजना को निकालने का निर्णय लिया है। अंतिम निर्णय निवेशको के रिस्पांस के बाद तय किया जाएगा। भूखंडों पर दो तरह के लोकेशन चार्ज है। पहला यदि भूखंड मेट्रो के पास है तो उसके लिए 10 प्रतिशत लोकेशन चार्ज लिया जाएगा और यदि लोकेशन एक्सप्रेस वे पास है वहां 17.5 प्रतिशत लोकेशन चार्ज होगा।

फिल्म सिटी के पहले...

चरण के विकास का अनुबंध दिया था। कंसोर्टियम ने 24 दिसंबर को इस परियोजना का प्रारूप प्रस्तुत किया था, जिसे अथॉरिटी की योजना विभाग और एक विशेष समिति ने मंजूरी दी। गौरतलब है कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र को बॉलीवुड और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माण का नया केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

फिल्म सिटी का...

इसमें खुदरा दुकानें, ऑफिस बिल्डिंग और मनोरंजन केंद्र होंगे। मास्टर प्लान में 23 एकड़ का ग्रीन ज़ोन भी शामिल है जो औद्योगिक और वाणिज्यिक उद्देश्यों के साथ एकीकृत होगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्वीकृत नक्शे में किसी भी प्रकार का बदलाव करने से पहले यमुना एक्सप्रेसवे की अनुमति लेनी होगी। यदि किसी तीसरे पक्ष के अधिकार या हित प्रभावित होते हैं, तो उसका खर्च कंसोर्टियम को ही उठाना होगा।

अतिक्रमण हटाने...

इस दौरान उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। बताया गया कि उनके साथ मारपीट भी की गई। इस मामले में किसान और प्राधिकरण दोनों तरफ से शिकायत दी गई है।

डबल डेकर बस...

होकर खाई में गिर पड़ी। हादसा सैफई थाना क्षेत्र में हुआ हादसा होते ही चीख पुकार मच गई। सूचना पर यूपीडा की टीम और थाना पुलिस पहुंच गई।

टीम ने रेस्क्यू करके सभी को बाहर निकला। हादसे में घायल 52 लोगों को सैफई के आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ले जाया गया। यहां शाहिदा खान (20) निवासी बरदाहा गांव, थाना जलेसर, जिला मोहतारी, नेपाल, मनोज कुमार (59) निवासी रामपुर डीह, दरभंगा बिहार को मृत घोषित कर दिया। अन्य लोगों को उपचार दिया जा रहा है।

मुठभेड़ के बाद शातिर...

गिरफ्तार आरोपी की पहचान इरशाद पुत्र इस्माइल निवासी पुरानी सीमापुरी, दिल्ली के रूप में हुई है। उसके पास से पुलिस ने एक तमंचा व कारतूस, पीली धातु की गिन्नी, 2530 नगद, एक चोरी की स्प्लेंडर बाइक बरामद की है। पूछताछ में इरशाद ने बताया कि वह अपने साथी अंकुर के साथ मिलकर नोएडा और आसपास के इलाकों में बाइक से चेन स्नेचिंग और चोरी की घटनाएं करता है। उसने बताया कि अप्रैल में सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन के पास एक व्यक्ति से सोने की चेन छीनी थी। चेन बेचकर मिले पैसों से उसने यह गिन्नी खरीदी थी।

एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि इरशाद पर नोएडा और दिल्ली में कुल 24 आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं। उसका साथी अंकुर मौके से फरार हो गया है, जिसकी तलाश और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

भनौता में अवैध निर्माण पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने चलाया बुल्डोजर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के अधिसूचित एरिया में अतिक्रमण के खिलाफ प्राधिकरण का एक्शन जारी है। प्राधिकरण ने बुधवार को भनौता गांव में बुल्डोजर चलाकर लगभग 40 हजार वर्ग मीटर जमीन खाली कराकर लगभग करीब 80 करोड़ रुपये की जमीन अपने कब्जे में ले ली। बताया जा रहा है कि कालोनाइजर इस जमीन पर अवैध रूप से प्लॉटिंग करने कोशिश कर रहे थे।

सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर अधिसूचित एरिया में अतिक्रमण के खिलाफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से अभियान चला रहा है। सीईओ ने अधिसूचित एरिया में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण की टीम अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। ग्राम भनौता ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में है, जहां पर अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह के निर्देश पर बुधवार को परियोजना विभाग की वर्क सर्किल दो की टीम ने बुधवार को भनौता गांव में कार्रवाई की। इस अभियान का नेतृत्व कर रहे प्राधिकरण के महाप्रबंधक एके सिंह ने बताया कि कालोनाइजर ग्रेटर नोएडा के अधिसूचित एरिया ग्राम भनौता के खसरा संख्या-366 की जमीन पर अवैध प्लॉटिंग कर जमीन कब्जाने की कोशिश कर रहे थे। बिना नक्शा पास कराए अवैध निर्माण पर रोक लगाने के लिए प्राधिकरण की तरफ से नोटिस भी जारी की गई, लेकिन कालोनाइजर चोरी-छिपे अवैध कालोनी काटने की कोशिश कर रहे थे, जिसके चलते बुधवार को ओएसडी भूलेख राम नयन सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक सन्नी यादव, प्रभात शंकर, मैनेजर स्वतंत्र वर्मा, विवेक किशोर, अभिषेक पाल, नितीश कुमार, जेई नरेश गुप्ता, हरिंद्र सिंह, राम किशन व परियोजना विभाग की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। प्राधिकरण की टीम ने 06 जेसीबी और 5 डंपर की मदद से तीन घंटे में कार्रवाई संपन्न की। बुधवार की कार्रवाई में लगभग 40 हजार वर्ग मीटर जमीन मुक्त कराई है, जिसकी कीमत 80 करोड़ रुपये से आंकी गई है। एसीईओ सुमित यादव ने अतिक्रमण करने वाले को चेतावनी दी है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में बिना अनुमति या बिना नक्शा पास कराए अवैध निर्माण कर ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसीईओ ने जनमानस से अपील की है कि ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। अवैध कॉलोनी में अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं।

तीन मोबाइल स्नेचर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी पुलिस ने तीन मोबाइल स्नेचर को गिरफ्तार किया है। इनके पास से अवैध शस्त्र व छीने गए तीन मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पकड़े गए तीनों बदमाशों ने बीते दिनों दो युवकों के साथ लाठी डंडों से जमकर मारपीट की थी। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर आज हिमांशु पुत्र विजयपाल, शुभम पुत्र बबलू व लक्ष्य पुत्र करण को शाहपुर पुलिया पेरीफेरल के पास से गिरफ्तार किया गया। इनके पास से तमंचा, कारतूस, दो चाकू, छीने गए तीन मोबाइल फोन तथा मारपीट की घटना में प्रयुक्त दो डंडे बरामद हुए। पकड़े गए बदमाशों ने बताया कि उन्होंने यह मोबाइल फोन लोगों को डरा धमकाकर अलग-अलग स्थान से छीने हैं। उन्होंने बताया कि पकड़े गए बदमाशों ने 21 जून को दो लड़कों के साथ लाठी डंडों से मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया था। इस मामले में पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर आरोपियो की तलाश शुरू की थी।

दो मोबाइल चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र के एच्छर गांव में किराए पर रहने वाले एक व्यक्ति के घर से चोरों ने दो मोबाइल फोन चोरी कर लिए। पीड़ित का आरोप है कि चोरी किए गए मोबाइल फोन के सिम कार्ड का उपयोग कर कई अन्य लोगों को कॉल की गई। एच्छर गांव में किराए पर रहने वाले प्रसून कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 21 मई की सुबह उन्होंने अपने दोनों मोबाइल फोन कमरे में चार्जिंग पर लगाए थे। कुछ देर बाद वह कमरे के पास बने शौचालय में फ्रेश होने चले गए। जब वह वापस लौटे तो उनके दोनों मोबाइल फोन गायब थे। उन्होंने मोबाइल की तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने कस्टमर केयर को कॉल कर नंबर बंद कराने की प्रक्रिया शुरू की। कस्टमर केयर अधिकारी ने फोन का मॉडल नंबर पूछा। फिर बताया गया कि उनके द्वारा बताए गए फोन मॉडल में उनका सिम कार्ड नहीं चल रहा है, बल्कि वह किसी अन्य फोन मॉडल में सक्रिय है। प्रसून कुमार के अनुसार, सिम कार्ड को बंद कराने के बाद उन्होंने डुप्लीकेट सिम कार्ड लिया और जब जियो अकाउंट में लॉगिन किया तो पता चला कि चोरी के बाद चोर ने उसी सिम का इस्तेमाल कर कई लोगों को कॉल की थी।

खास खबर

अमेजन इंडिया ने शुरू की स्वास्थ्य जांच सेवा

नई दिल्ली। भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अब ऑनलाइन रिटेल दिग्गज अमेजन ने एंट्री कर ली है। अमेजन इंडिया ने अमेजन डायग्नोस्टिक्स नाम दिया है जिसमें घर बैठे स्वास्थ्य जांच सेवा शुरू की है। इस सेवा के जरिए ग्राहक अपने मोबाइल ऐप पर लैब टेस्ट बुक कर सकते हैं, समय तय कर सकते हैं और डिजिटल रिपोर्ट सीधे ऐप पर प्राप्त कर सकते हैं। यह सेवा देश के छह शहरों- बैंगलोर, दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, मुंबई और हैदराबाद में शुरू की गई है और 450 से ज्यादा पिन कोड्स को कवर करती है। अमेजन डायग्नोस्टिक्स 800 से ज्यादा टेस्ट उपलब्ध कराता है। ग्राहक 60 मिनट में अपने घर पर सैंपल कलेक्शन का अनुरोध कर सकते हैं और नियमित जांच की रिपोर्ट महज छह घंटे में पा सकते हैं। यह सेवा अमेजन की साझेदारी में ओरेंज हेल्थ लैब के साथ मिलकर चला रही है, जो एक मान्यता प्राप्त डायग्नोस्टिक्स प्रदाता है। अमेजन का मकसद भारत के स्वास्थ्य-टेक सेक्टर में अपनी पहुंच बढ़ाना और लोगों को आरामदायक, भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवा देना है।

निवेशकों के लिए सेबी ने दी तीन बड़ी कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में निवेश करने वाले कुछ ऐसे निवेशक भी हैं जो आईपीओ के इंतजार में रहते हैं। ये निवेशक आईपीओ पर दांव लगाकर कमाई करना चाहते हैं। ऐसे निवेशकों के लिए अब सेबी ने तीन बड़ी कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी दी है। ये कंपनियां- इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार से जुड़ी जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता ग्लोटिस और दवा कंपनी अमांता हेल्थकेयर हैं। सेबी ने बताया कि तीनों कंपनियों ने फरवरी-मार्च में नियामक के समक्ष अपने शुरूआती आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे और उन्हें 16 से 20 जून के बीच निष्कर्ष पत्र मिले। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रस्तावित आईपीओ में 450 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और प्रवर्तकों द्वारा 51 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में लैपटॉप और डेस्कटॉप का सबसे बड़ा रीफर्बिश्ड है। रीफर्बिश्ड के तहत पुराने प्रोडक्ट को सही कर बेचा जाता है।

एचडीएफसी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने एक लाख करोड़ एसेट आंकड़े को किया पार

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने हाल ही में एक लाख करोड़ के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का आंकड़े को पार कर लिया है। यह पराग पारीख फ्लेक्सीकैप फंड के बाद ऐसा करने वाला दूसरा म्युचुअल फंड बन गया है। इस उपलब्धि के साथ ही बैलेंस्ड एडवांटेज कैटेगरी, जिसे डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड भी कहा जाता है, करीब तीन लाख करोड़ रुपए की सीमा पर पहुंच गया है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मुताबिक 31 मई 2025 तक इस कैटेगरी में कुल 2.99 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति निवेशित थी। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमुख कारण इसकी लचीलापन रणनीति है। यह फंड बाजार की स्थिति के आधार पर इक्विटी और डेट के बीच संतुलित ढंग से निवेश करते हैं।

सैमसंग गैलेक्सी बड्स कोर में मिलेंगे दमदार फीचर्स

नई दिल्ली। सैमसंग कंपनी के नए वायरलेस ईयरबड्स गैलेक्सी बड्स कोर की लांचिंग 27 जून को हो रही है। सोशल मीडिया पर कंपनी ने इसका टीजर जारी किया है, जिसमें इन्हें तेज, क्लियर और डीप साउंड के साथ पेश किए जाने का दावा किया गया है। टीजर टैगलाइन संगीत आपको अंदर तक हिला देगा से इस प्रोडक्ट की ऑडियो क्वालिटी पर खास जोर दिया गया है। सैमसंग इंडिया की वेबसाइट के मेटा टैग और एचटीएमएल में गैलेक्सी बडस कोर के बैकएंड संकेत मिल चुके हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यही नाम रखा जाएगा। लॉन्च से पहले ही ईयरबड्स बीआईएस सर्टिफिकेशन और सैमसंग के रिजनल सपोर्ट पेज पर दिख चुके हैं। कुछ समय के लिए यह यूएई वेबसाइट पर भी लिस्ट हुआ था।

पीयूष गोयल ने की पीएलआई योजना पर समीक्षा बैठक

आत्मनिर्भरता और निर्यात प्रतिस्पर्धा की जरूरत

- विभिन्न हितधारकों के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान करना चाहिए, ताकि देश का निर्यात बढ़ सके
- भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय पहलों में से एक है
- भारत को अन्य देशों के मुकाबले प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल है

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बैठक के दौरान पीएलआई योजना के तहत आने वाले प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की जरूरत पर जोर दिया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि पीयूष गोयल ने यह विचार पीएलआई योजना की समीक्षा बैठक के दौरान व्यक्त किए। केंद्रीय मंत्री ने बैठक के दौरान कहा कि भारत को उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिनमें भारत को अन्य देशों के मुकाबले प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल है। उन्होंने कहा कि विभिन्न हितधारकों के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान करना चाहिए, ताकि देश का निर्यात बढ़ सके। यह योजना विनिर्माण क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय पहलों में से एक है। गोयल ने पीएलआई योजना के तहत आने वाले प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मंत्रालयों को मात्रा पर ध्यान देने के बजाय गुणवत्तापूर्ण कुशल जनशक्ति बनाने पर ध्यान देना चाहिए और एनआईसीडीसी के साथ मिलकर बुनियादी ढांचे की बाधाओं को दूर करना चाहिए। उन्होंने निवेश और संवितरण दोनों पर अगले पांच वर्षों के लिए प्रारूप तैयार करने पर बल दिया। इस बैठक में सभी संबंधित मंत्रालयों ने भाग लिया। गोयल ने प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता और निर्यात प्रतिस्पर्धा की जरूरत पर बल दिया। केंद्रीय मंत्री ने कौशल पहलों में मात्रा की अपेक्षा गुणवत्ता पर भी बल दिया। मंत्रालय के मुताबिक पीएलआई योजना 14 प्रमुख क्षेत्रों में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है। इस योजना में 1.76 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जिससे मार्च 2025 तक 16.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का उत्पादन, बिक्री और 12 लाख से अधिक (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) रोजगार सृजित हुए हैं। इसके अलावा पीएलआई योजनाओं के तहत 12 क्षेत्रों अर्थात व्यापक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण (एलएसईएम), आईटी हार्डवेयर, बल्क ड्रग्स, चिकित्सा उपकरण, फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, व्हाइट गुड्स, ऑटोमोबाइल और ऑटो घटक, विशेष इस्पात, कपड़ा और ड्रोन और ड्रोन घटक के लिए 21,534 करोड़ रुपये की संचयी प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने 2021 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना की घोषणा की थी। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में पीएलआई योजनाओं का प्रभाव महत्वपूर्ण रहा है। इन योजनाओं ने घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित किया है, जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई है, रोजगार सृजन हुआ है और निर्यात को बढ़ावा मिला है।

संभव स्टील का खुला आईपीओ, कंपनी जुटाना चाहती है 540 करोड़

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ की स्टील पाइप बनाने वाली कंपनी संभव स्टील ट्यूब्स का पब्लिक इश्यू आज यानी बुधवार से निवेश के लिए खुल गया। इस इश्यू के जरिए कंपनी 540 करोड़ जुटाना चाहती है। इश्यू का प्राइस बैंड 77 से 82 प्रति शेयर रखा गया है। इश्यू में 440 करोड़ के फ्रेश शेयर्स और 100 करोड़ का ऑफर फॉर सेल शामिल है। कंपनी इश्यू ओपन होने से पहले 19 एंकर निवेशकों से 161.25 करोड़ पहले ही जुटा चुकी है। इस आईपीओ में एक लॉट में 182 शेयर रखे गए हैं। निवेशकों को कम से कम 182 शेयरों के लिए बोली लगानी पड़ेगी। 82 के ऊपरी दाम पर देखें तो एक लॉट के लिए न्यूनतम निवेश 14,924 बनता है। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी कुल 2,366 शेयर के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसकी कीमत करीब 1,94,012 होती है। इश्यू ओपन होने से पहले संभव स्टील के शेयर ग्रे मार्केट में 87 पर ट्रेड कर रहे थे, जो 82 के इश्यू प्राइस से 5 ज्यादा है यानी, ग्रे मार्केट प्रीमियम करीब 6.1 फीसदी का दिख रहा है।

मुकेश अंबानी ने दूरसंचार उद्योग में कदम रखने के फैसले को बताया जीवन का सबसे बड़ा जोखिम

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने 2016 में रिलायंस जियो के साथ दूरसंचार उद्योग में कदम रखने के फैसले को अपने जीवन का 'सबसे बड़ा जोखिम' बताया है। फिर भी उन्होंने डिजिटल भारत के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए यह निर्णय लिया। वैश्विक प्रबंधन परामर्श कंपनी मैकिन्से एंड कंपनी के साथ एक विशेष साक्षात्कार में मुकेश अंबानी ने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 4-जी मोबाइल नेटवर्क शुरू करने में अपने स्वयं के अरबों डॉलर का निवेश किया था। इसको लेकर कुछ विश्लेषकों का कहना था कि यह वित्तीय रूप से सफल नहीं हो सकता है, क्योंकि भारत सबसे उन्नत डिजिटल प्रौद्योगिकी के लिए तैयार नहीं है। इस पर मैंने अपने निदेशक मंडल से कहा कि सबसे खराब स्थिति यह होगी कि हमें ज्यादा रिटर्न नहीं मिलेगा। रिलायंस के रूप में यह भारत में हमारा अब तक का सबसे बड़ा परोपकारी काम होगा, क्योंकि हम भारत का डिजिटलीकरण कर देश को पूरी तरह बदल चुके होंगे। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि जियो को 2016 में पेश किए जाने के बाद से जियो ने मुफ्त वॉयस कॉल और बेहद कम लागत वाला डेटा प्रदान करके भारतीय दूरसंचार बाजार में क्रांति ला दी है, जिससे प्रतिस्पर्धियों को कीमतें कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है और देशभर में तेजी से डिजिटल अपनाने को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि हमारा ये मानना है कि आखिरकार आप इस दुनिया में बिना कुछ लिए आते हैं और बिना कुछ लिए चले जाते हैं। आप जो पीछे छोड़कर जाते हैं, वह एक संस्था है। मुकेश अंबानी ने कहा कि जियो के आने से पहले भारत में मोबाइल इंटरनेट महंगा था। इसके आने से कीमतों में उतार-चढ़ाव शुरू हुआ, जिससे डेटा की लागत में उल्लेखनीय कमी आई। ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों सहित लाखों भारतीयों के लिए इंटरनेट तक पहुंच सस्ती हो गई। भारत में अब 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, ये आंकड़ा इसे वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े ऑनलाइन बाजारों में से एक बनाता है। ई-कॉमर्स, वित्तीय प्रौद्योगिकी, शिक्षा प्रौद्योगिकी और मनोरंजन जैसी डिजिटल सेवाओं के विकास को बढ़ावा दिया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 700 , निफ्टी 200 अंक ऊपर आया

एजेंसी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी ईरान-इजरायल के बीच संघर्ष विराम के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आई है। इससे बाजार में निवेशकों का भरोसा बढ़ा जिससे भी खरीददारी बढ़ी। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 700 अंक बढ़कर 82,755.51 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 200 अंक बढ़कर 25,244.75 पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान निफ्टी पर टाइटन कंपनी, इंफोसिस, एमएंडएम, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए जबकि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आयशर मोटर्स, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर रहे। ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, आईटी, टेलीकॉम, हेल्थकेयर, मीडिया के शेयरों में 1-2 फीसदी की तेजी रही। जिससे सभी सेक्टोरल इंडेक्स आज हरे निशान पर बंद हुए। बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.6 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी 1.6 फीसदी की तेजी आई।

शानदार डील्स और बड़ी बचत प्राइम डे पर

रांची। अमेजन इंडिया ने आज घोषणा की कि प्राइम डे 2025 भारत में पहली बार तीन दिन तक मनाया जाएगा। यह खास सेल 12 जुलाई की रात 12:00 बजे शुरू होकर 14 जुलाई की रात 11:59 बजे तक चलेगी। इन 72 घंटों में प्राइम मेंबर्स के लिए जबरदस्त डील्स, शानदार बचत, नई लॉन्चिंग्स और एक्सक्लूसिव एंटरटेनमेंट का मजा मिलेगा, और यह सब कुछ खासतौर पर प्राइम ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है। इस बार भारत में पहली बार प्राइम मेंबर्स को 24 घंटे अतिरिक्त शॉपिंग का मौका मिलेगा, जिससे वे बड़े ब्रांड्स और छोटे व्यवसायों से समान रूप से खरीदारी कर सकेंगे। साथ ही, प्रमुख बैंकिंग पार्टनर्स की ओर से मिलने वाले खास ऑफर्स का भी लाभ उठा सकेंगे। कंपनी के डिलीवरी और रिटर्न्स निदेशक अक्षय साही ने कहा, प्राइम डे हमेशा से हमारे सदस्यों के लिए एक उत्सव रहा है झ जहां उन्हें नई लॉन्चिंग्स, बेहतरीन डील्स और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट का अनुभव मिलता है, वो भी तेज डिलीवरी के साथ। इस साल, पहली बार हम प्राइम डे को तीन पूरे दिनों तक बढ़ा रहे हैं, जिससे हमारे सदस्यों को शॉपिंग, सेविंग और मनोरंजन का आनंद लेने के लिए और भी ज्यादा समय मिलेगा।

एसईसीआई ने हरित अमोनिया उत्पादन के लिए 30 तक बढ़ाई

एजेंसी

नई दिल्ली। नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) ने ग्रीन अमोनिया के उत्पादन एवं आपूर्ति से संबंधित अपनी मौजूदा निविदा के लिए बोली को जमा करने की तिथि 30 जून तक बढ़ा दी है। पहले इसके लिए बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि 26 जून, 2025 थी। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि भारतीय सौर ऊर्जा निगम ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत अपने चल रहे ग्रीन अमोनिया टेंडर के लिए बोली जमा करने की समय-सीमा बढ़ा दी है। अब इसके लिए बोली प्रस्तुत करने की संशोधित अंतिम तिथि 30 जून, 2025 है। एजेंसी ने एक अधिसूचना में कहा कि बोलियां जमा करने की नई समय-सीमा अब 30 जून है, जो पहले के शेड्यूल से संशोधित है। इससे संभावित बोलीदाताओं को प्रस्तावों को अंतिम रूप देने के लिए अतिरिक्त समय मिल जाएगा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत कार्यरत एसईसीआई की ओर से 7 जून, 2024 को जारी यह निविदा ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांजिशन (एसआईजीएचटी) योजना के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप-मोड 2ए, ट्रैंच क का हिस्सा है। मंत्रालय के मुताबिक इसका उद्देश्य देशभर में 13 चिह्नित उर्वरक संयंत्रों को वार्षिक 7,24,000 मीट्रिक टन ग्रीन अमोनिया का उत्पादन करने के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति में सक्षम बनाना है। कार्यान्वयन एजेंसी के तौर पर एसईसीआई मांग एकत्रीकरण को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ दीर्घकालिक ऑफटेक समझौतों पर हस्ताक्षर करेगा, जिससे उत्पादक 10 साल की अनुबंध अवधि के दौरान बाजार की निश्चितता के साथ कार्य कर सकेंगे।

मंडी में हरे धनिया की भरपूर आवक फिर भी किसान हो रहे परेशान

नई दिल्ली। बाजार में धनिया की भारी आवक से इसकी कीमतों में भारी गिरावट देखी गई। जैसे-जैसे कीमतें कम हो रही हैं, किसानों की समस्याएं बढ़ रही हैं। इस समय मंडियों में धनिया 35 से 40 रुपए किलो बिक रहा है जबकि इस दाम में किसानों को मेहनताना तक भी नहीं मिल पा रहा है। जौनसार बावर क्षेत्र में हरे धनिया की आवक हो रही है। क्षेत्र के किसान पिछले कुछ सालों से नगदी फसलों के साथ-साथ हरे धनिए का भी उत्पादन कर रहे हैं, लेकिन मंडी में धनिया की कीमत को लेकर किसानों की परेशानी बनी हुई है। हालत यह हैं कि किसानों को इसे मंडियों में लाने की लागत भी नहीं मिल रही है। किसानों का कहना है कि इस दाम में किसानों को निराई, गुड़ाई और बाजार तक अपने उत्पादन को पहुंचाने के बाद भी उचित दाम नहीं मिल रहे हैं, जबकि पिछले साल 100 से 150 रुपए प्रति किलो मंडियों में किसानों द्वारा हरा धनिया बेचा गया था।

गूगल ने एआई मोड इन सर्च भारत में किया लांच

एजेंसी

नई दिल्ली। गूगल ने भारत में अपने नए एआई-संचालित सर्च फीचर एआई मोड इन सर्च की शुरूआत कर दी है। इस फीचर का पहले अमेरिका में परीक्षण किया जा चुका है और अब भारत में इसे गूगल लैंस के तहत एक प्रयोग के रूप में उपलब्ध कराया है। यह अंग्रेजी भाषा में ही इस्तेमाल किया जा सकता है। गूगल का दावा है कि यह फीचर लोगों के सर्च करने के तरीके को पूरी तरह से बदल देगा, क्योंकि अब यूजर्स लंबे और जटिल सवाल पूछ सकेंगे और उन्हें एआई द्वारा तैयार किए गए जवाब भरोसेमंद स्रोतों के लिंक के साथ मिलेंगे। यह नया फीचर गूगल के मल्टीमॉडल एआई मॉडल जेमिनी 2.5 पर आधारित है। यूजर्स केवल टेक्स्ट ही नहीं, बल्कि गूगल लैंस के जरिए फोटो लेकर या अपलोड करके भी सवाल पूछ सकते हैं जैसे- कोई पौधे की फोटो लेकर उसकी देखभाल के तरीके पूछ सकता है, या फिर किसी टूटे सामान की तस्वीर भेजकर उसकी मरम्मत की सलाह ले सकता है। यह सुविधा एंड्रॉयड और आईओएस दोनों पर गूगल ऐप में उपलब्ध है। गूगल का कहना है कि यह फीचर खासतौर पर उन जटिल सवालों के लिए है जिनके लिए पहले कई बार सर्च करना पड़ता था। चाहे स्मार्टफोन की तुलना करनी हो, ट्रिप प्लान करना हो या घरेलू काम सीखना हो- एआई मोड एक ही बार में विस्तृत जवाब देगा। साथ ही फॉलो-अप सवालों के लिए सुझाव और लिंक भी प्रदान करेगा। गूगल के मुताबिक यूजर्स अब दो से तीन गुना लंबी क्वेरी डाल रहे हैं, जिससे साबित होता है कि सर्च अब ज्यादा नेचुरल और डीटेल्ड दे रहा है।

पहली बार एसडीजी पाने वाला देश बना भारत, एसडीजी इंडेक्स में 99वें नंबर पर

नई दिल्ली। भारत ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल (एसडीजी) को प्राप्त करने में प्रगति करने वाले 167 देशों की सूची में पहली बार टॉप 100 में जगह बनाई है। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। यूएन सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशन नेटवर्क (एडीएसएन) द्वारा जारी रिपोर्ट के 10वें एडिशन के अनुसार, भारत 2025 एसडीजी इंडेक्स में 67 अंकों के साथ 99वें स्थान पर है। अमेरिका सूची में 75.2 अंकों के साथ 44वें स्थान पर है। 2015 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों द्वारा अपनाए जाने के बाद से सस्टेनेबल डेवलपमेंट रिपोर्ट (एसडीआर) प्रत्येक वर्ष एसडीजी पर हुई प्रगति की समीक्षा करती है। ताजा एसडीआर के अनुसार, चुनौतियों के बावजूद भी संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देशों में प्रतिबद्धता उच्च बनी हुई है। एसडीएसएन के अध्यक्ष और रिपोर्ट के लेखक प्रोफेसर जेफरी डी. ने कहा, लगातार बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक असमानताओं और जलवायु संकट के बीच, इस वर्ष की एसडीआर इस बात को रेखांकित करती है।

भगवान विष्णु के अवतारों पर बनेगी 07 फिल्मों की सीरीज

मुंबई। होम्बले फिल्म्स और क्लीम प्रोडक्शंस ने अपनी एनिमेटेड फ्रेंचाइज महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स की बड़ी घोषणा कर दी है। इस सीरीज में भगवान विष्णु के दस अवतारों की कहानियां दिखाई जाएंगी, जो अगले एक दशक तक चलेंगी। इसकी शुरूआत महावतार नरसिम्हा से 2025 में होगी और अंत महावतार कल्कि पार्ट 2 के साथ 2037 में होगा। डायरेक्टर अश्विन कुमार ने कहा, हम क्लीन प्रोडक्शंस और होम्बले फिल्म्स जैसे दमदार साथियों के साथ मिलकर भारत की विरासत को बड़े पर्दे पर एक ऐसे अंदाज में लाने जा रहे हैं, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने आगे कहा, यह आध्यात्मिक और भव्य अनुभव महावतार यूनिवर्स के दशावतारों से शुरू होगा... अब भारत दहाड़ेगा! प्रोड्यूसर शिल्पा धवन ने खुशी जताते हुए कहा, अब तो बस शुरूआत है, हमारी कहानियां जैसे परदे पर जिंदा हो जाएंगी, सोचकर ही जोश आ रहा है। तैयार हो जाइए एक दमदार और जबरदस्त सिनेमाई सफर के लिए। होम्बले फिल्म्स की ओर से जारी एक ऑफिशियल बयान में स्पोक्सपर्सन द्वारा कहा गया है, होम्बले फिल्म्स में हमारा मानना है कि कहानी कहने की ताकत समय और सीमाओं से परे होती है। यह भी कहा है कि महावतार के जरिए हम भगवान विष्णु के पावन अवतारों को शानदार एनीमेशन में दिखाने जा रहे हैं। ये कोई आम फिल्म सीरीज नहीं है, बल्कि हमारी तरफ से भारत की आध्यात्मिक परंपरा को एक सच्ची श्रद्धांजलि है। महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स सिर्फ फिल्मों तक ही नहीं रहेगा, बल्कि इसे कई प्लेटफॉर्म पर लोगों से जोड़ने की तैयारी हो रही है। कॉमिक्स, मजेदार वीडियो गेम, डिजिटल कहानियों और खास कलेक्शन आइटम्स के जरिए लोग इन प्राचीन कहानियों से नए और दिलचस्प तरीके से जुड़ पाएंगे। चाहे वो ग्राफिक किताबों के रूप में हों या ऐसे गेम्स जहां आप खुद कहानी का हिस्सा बन सकें और इस तरह से हर जगह महावतार की झलक मिलेगी। इसका मकसद एक ऐसा भावनाओं से भरा संसार बनाना है, जो आज के बच्चों, बड़ों यानी सभी को पसंद आए और भारत की आध्यात्मिक परंपरा को नए अंदाज में सबके सामने ला सके। महावतार नरसिंह का डायरेक्शन अश्विन कुमार कर रहे हैं और इसे क्लीम प्रोडक्शंस के बैनर तले शिल्पा धवन, कुशल देसाई और चैतन्य देसाई ने प्रोड्यूस किया है। होम्बले फिल्म्स के साथ मिलकर ये साझेदारी एक भव्य सिनेमाई अनुभव को दर्शकों तक पहुंचाने की तैयारी में है।

वॉलमार्ट का भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य

- परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को देगा बढ़ावा

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका की खुदरा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वॉलमार्ट अपने वैश्विक परिचालन के लिए भारत में आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम कर रही है। वॉलमार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि वॉलमार्ट ने पिछले कुछ सालों में भारत से अपनी खरीद बढ़ा दी है और वह इस प्रगति से खुश हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में आप देख सकते हैं कि स्थिति कैसे बदल रही है और यह वास्तव में व्यापक और ज्यादा दिलचस्प होता जा रहा है। कंपनी ने 2027 तक भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य रखा है जिसका उद्देश्य परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि शुरूआत में हम यहां से सीमित श्रेणियों के उत्पाद ले रहे थे लेकिन अब हम इसका विस्तार करने जा रहे हैं। सीईओ ने कहा कि इसमें बढ़ोतरी हुई है और अब हमारा लक्ष्य इसे प्रति वर्ष 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है, जो वास्तव में एक बड़ा आंकड़ा है और आपूर्तिकर्ता समुदाय के साथ मिलकर हम इसे प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं। कंपनी के सीईओ भारत यात्रा पर हैं। यहां उन्होंने वॉलमार्ट की भारत में विकास गाथा का उल्लेख किया जिसमें निर्यात, डिजिटल नवाचार, समावेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण व समुदायों को सशक्त बनाना शामिल है। इसके अलावा उन्होंने कुछ विक्रेताओं से भी बातचीत की जिन्हें आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम ह्यवॉलमार्ट वृद्धि के तहत प्रशिक्षित किया गया है। अपनी ई-कॉमर्स इकाई फ्लिपकार्ट और डिजिटल भुगतान समाधान फोनपे के बारे में उन्होंने कहा कि इन व्यवसायों को बढ़ाने के लिए हमारे दलों ने सालों से जो कुछ किया है, वह प्रेरणादायक है। वॉलमार्ट ने पिछले साल कहा था कि उसने अपने वैश्विक परिचालन के लिए पिछले दो दशकों में भारत के बाजार से 30 अरब डॉलर से ज्यादा का सामान मंगाया है। वॉलमार्ट दो दशकों से ज्यादा समय से भारत में काम कर रहा है।

इस बारिश सेहत का कुछ ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम के तुरंत बाद बारिश का मौसम आना जैसे बंजर जमीं पर पानी की बूंद गिरने जैसा होता है। गर्मी के बाद बारिश सबको अजीब सा सुकून देता है। बारिश में लोग भीगना पसंद है। मगर ज्यादा तर बीमारियां बारिश के आने के बाद आती हैं। तो किस तरह से इस बारिश के मौसम में रखें अपने सेहत का ख्याल आपको बतातें हैं। देश में जहां कई जगहों पर बारिश शुरू हो चुकी है वहीं कई कोनो में लोग अभी बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। तो इस तरह से सभी को मानसून एन्जॉय करने के साथ इसके साथ आने वाली बीमारियों का भी ख्याल रखना चाहिए। क्यों की मानसून जरूर ठंडक लाता है मगर साथ में वह अपने बहुत सारी बीमारियां भी लाता है।

खानपान का रखें ध्यान: बारिश के दिनों में बाहर का खाना सबको बहुत अच्छा लगता है मगर वहीं खाना पेट की बिमारियों को जन्म देता है। बारिश में गलत खाना खाने से पीलिया, मलेरिया, टायफाइड, पेट व आंतों संबंधी बीमारियां, खांसी, जुकाम, जोड़ों में दर्द, त्वचा में इंफेक?शन, बुखार और फ्लू जैसी सकती है। इस तरह से इस बारिश जो भी आप खाते है उसे अपनी सेहत के अनुसार खाएं।

तुलसी और कड़ी पत्ते का प्राकृतिक क्लींजर

कड़ी पते और तुलसी दोनों में एंटी-आक्सीडेंट होते हैं। जो आपकी त्वचा को इंफेक्शन और मुंहासों से बचाते हैं। साथ ही यह आपकी त्वचा को कोमल व नर्म बनाने के साथ पिग्मेंटशन (झांइयों) और झुरियों को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और मॉश्चराइजिंग गुण भी होते हैं जिसे त्वचा पर लगाने से त्वचा में निखार आने लगता है।

रेड बर्थमार्क के कारण, निदान और इलाज

बर्थमार्क्स यानी जन्मजात निशान त्वचा पर मौजूद बदरंग निशान होते हैं। कई नवजात शिशुओं में लाल अथवा कुछ अन्य प्रकार के निशान होते हैं। आमतौर पर ये निशान जन्म के कुछ सप्ताहों के भीतर ही नजर आ जाते हैं। ये निशान त्वचा के करीब मौजूद रक्त वाहिनियों द्वारा बनते हैं। इन निशानों के बनने की बड़ी वजह त्वचा में पिग्मेंटशन के कारण रक्तवाहिनियों का अधिक निर्माण होता है।

कारण

आमतौर पर इन निशानों का मुख्य कारण किसी को नहीं पता। और साथ ही इन निशानों को होने से रोकने के लिए ही कुछ किया जा सकता है। बर्थमार्क्स के कारकों के बारे में भले ही अधिक जानकारी न हो, लेकिन इतना तो साफ है कि वाहिकीय समस्याओं से होने वाले बर्थमार्क्स अनुवांशिक नहीं होते। जानकार मानते हैं कि इसके पीछे त्वचा कोशिकाओं को प्रभावित करने वाले स्थानिक कारण अधिक उत्तरदायी होते हैं।

पोर्ट वाइन स्टेन

इन निशानों की मुख्य वजह रक्तवाहिनियों की चौड़ाई निर्धारित करने वाली प्रक्रिया में असंतुलन का होना है। परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में निरंतर प्रवाहित होने वाला रक्त लाल अथवा बैंगनी हो जाता है। पोर्ट वाइन स्टेन इसके अलावा स्ट्रग-वेबर-सिंड्रोम और क्लिपल ट्रेनायूने सिंड्रोम के कारण भी हो सकता है।

निदान

रेड बर्थमार्क्स के निदान की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि आखिर ये निशान नजर कैसे आते हैं। डॉक्टर इनका इलाज करने से पहले इनकी अच्छी तरह जांच करते हैं। बर्थमार्क्स की गहरी जांच करने के लिए डॉक्टर बॉयोप्सी, सीटी स्कैन और एमआरआई भी करने की सलाह दे सकता है।

इलाज अधिकतर बर्थमार्क्स किसी प्रकार की परेशानी खड़ी नहीं करते और उन्हें किसी इलाज की जरूरत नहीं होती। हालांकि, कुछ रेड बर्थमार्क्स से परेशानी हो सकती है। कुछ निशान तो कैंसर का रूप भी ले सकते हैं। रेड बर्थमार्क्स बच्चे के थोड़ा बड़े होने के साथ ही गायब भी हो जाते हैं। बहुत कम निशान ही रक्तवाहिनियों के ट्यूमर में परिवर्तित हो सकते हैं। इन्हें हेमेन्गिओमस कहा जाता है। कुछ निशान ऐसे भी होते हैं, जो ठीक नहीं होते और स्थाई रूप से साथ रहते हैं।

हेमेन्गिओमस को इलाज करवाने की जरूरत तब पड़ती है, जब इनका असर आपके लुक पर पड़ता हो। इसके साथ ही अगर इससे आपको भावनात्मक तनाव अथवा दर्द होता हो, तो भी आपको इसका इलाज करवाना चाहिए। इतना ही नहीं अगर हेमेन्गिओमस के आकार, स्वरूप अथवा रंग में किसी प्रकार के बदलाव का आभास होने पर भी इलाज करवाया जाना चाहिए। हेमेन्गिओमस यदि बच्चे की आंख के करीब हो, तो उसका इलाज जरूर करवाना चाहिए, क्योंकि इसका असर उसके देखने की क्षमता पर पड़ सकता है।

बर्थमार्क्स के आकार पर निर्भर करता है कि इसके इलाज में किस प्रकार की इलाज पद्धति को अपनाया जाए। इसके लिए लेजर ट्रीटमेंट से लेकर कॉस्मेटिक के अन्य तरीके भी आजमाए जा सकते हैं। इसके अलावा बर्थमार्क्स के निशान को छोटा करने क लिए दवाओं अथवा इंजेक्शन का भी प्रयोग किया जा सकता है।

बहुत ही दुर्लभ मामलों में बर्थमार्क्स का संबंध किसी अन्य बीमारी से होता है। लेकिन, कुछ मामलों में देखा गया है कि लिवर, फेफड़े, पेट अथवा अंत्राशय की बीमारियों के फलस्वरूप भी बर्थमार्क्स हो सकते हैं। यदि ऐसी कोई समस्या नजर आए, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

क्या 30 साल के बाद भी बढ़ सकती है लंबाई?

एक बार हड्डियां के बढ़ना रूकने के बाद, लंबाई को बढ़ाने की सीमा तय हो जाती है। फिर लंबाई को बढ़ना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्ट्रेचिंग की मदद से अपने पॉश्चर में सुधार कर अपनी लंबाई बढ़ा सकते हैं।

लड़कियों की लंबाई 11.5 वर्ष और लड़कों की लंबाई 13.5 वर्ष तक ही बढ़ती है। डॉक्टर के अनुसार, लड़कों को लड़कियों की तुलना में हड्डियों की ग्रोथ बंद होने से पहले लंबाई बढ़ाने का दो साल का लंबा समय मिलता है। लेकिन वयस्कों में लंबाई बढ़ाने के लिए स्ट्रेच एक अच्छा आइडिया है, क्योंकि यह रीढ़ की हड्डी में संकोचन को कम करता है। स्ट्रेचिंग से आपको पॉश्चर में सुधार करने और लंबाई की सीमा बढ़ाने में मदद मिलती हैं।

स्टेप 1 ताड़ासन को पर्वत योग मुद्रा भी कहते हैं। इस स्ट्रेच योग को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर दरी बिछाकर सीधे खड़े हो जाएं। अपने दोनों पैर को आपस में मिलाकर और दोनों हथेलियों को अपने बगल में रखें फिर पूरे शरीर को स्थिर रखें और दोनों पैरों पर अपने शरीर का वजन सामान रखें। उसके बाद दोनों हथेलियों की अंगुलियों को मिलाकर सिर के ऊपर ले जाएं। हथेलियों सीधी रखें और सांस भरते हुए अपने हाथों को ऊपर की ओर खींचिए, जिससे आपके कंधों और चेस्ट में भी स्ट्रेच आएगा। इसके साथ ही पैरों की एड़ी को भी ऊपर उठाएं और पैरों की अंगुलियों पर शरीर का संतुलन बनाए रखिए। इस स्थिति में कुछ देर रहें। इस योगाभ्यास करते समय में पूरे शरीर में उपयुक्त रूप से स्ट्रेच महसूस होता है। योग जर्नल वेबसाइट के अनुसार यह मुद्रा आपको रीढ़ की हड्डी को सीधा करने में मदद करती है। सीधा खड़ा होना, गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव का विरोध कर आपकी लंबाई को 30 की उम्र के बाद भी बढ़ता है।

स्टेप 2 भुजंगासान को कोबारा पोज भी कहते हैं। इस आसान में चेहरे पर स्ट्रेच महसूस करते हुए अपनी उंगालियों को कंधों की तरफ और कोहनी को अपनी साइट में रखते हैं। साथ ही अपने शरीर के निचले हिस्से पर दबाव बनाए रखते हैं। अपनी बाहों को सीधा रखते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर की तरफ और निचले हिस्से को जमीन पर रखते हैं। ऊपरी हिस्से को तब तक ही उठाते हैं, जितना की आप आराम से उठा सकें। अपनी रीढ़ में स्ट्रेच महसूस करें। सांस छोड़ते और 15 की गिनती करते हुए धीरे-धीरे अपने ऊपरी हिस्से को नीचे लाएं। इससे आपके चेस्ट और पेट की मसल्स में स्ट्रेच होगा। इसको नियमित करने से लंबाई बढाई जा सकती है। इस मुद्रा को नियमित रूप से करने लंबाई बढ़ाने में मदद मिलती है क्योंकि इससे आप बैठते, उठते और खड़े होते समय रीढ़ की हड्डी लंबा बनाये रखने में मदद मिलती है।

स्टेप 3 शॉवर लेने के बाद भी नियमित रूप से स्ट्रेच करें क्योंकि इस समय आपकी मसल्स गर्म होती है। पांच मिनट एक ही जगह चलने के बाद धीरे-धीरे अपने दोनों हाथों को हिलाएं और पैरों को ढीला छोड़कर तनाव को रिलीज करें। फिर एक समय में एक हाथ को ऊपर की तरफ स्ट्रेच करें। अब अपने पैर की उंगलियों से लेकर हिप्स और कंधे तक बॉडी की एक साइड को स्ट्रेच करें। फिर दूसरी तरफ से ऐसा ही करें और तीन से पांच बार दोहराएं।

टिप्स

- योग के सही मुद्रा एक योग्य योग प्रशिक्षक की मदद से सीखें।
- कई स्वास्थ्य केन्द्र, योग केंद्र और सामुदायिक कॉलेज योग शिक्षा प्रदान करते हैं।
- लंबाई बढ़ाने का दावा करने वाले प्रोडक्ट के बारे में पूरी जानकारी लें।
- ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि, सप्लीमेंट की मदद से किसी भी वयस्क की लंबाई को स्थायी रूप से बढ़ाया जा सकता है।

स्किन के लिए वरदान है एक कप चाय

ज्यादातर हम सभी के दिन की शुरूआत एक कप चाय से होती है। चाय से थकान दूर होती है और ताजगी आ जाती है। दिन भर की थकान को दूर करने के लिए भी एक कप चाय मिल जाए तो क्या ही बात। लेकिन अक्सर चाय और कॉफी को सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है। कहा जाता है ज्यादा चाय पीने से काले हो जाते हैं, लेकिन ये सही नहीं है। चाय स्वास्थ्यवर्धक भी होती है। ये आपको ताजगी देने के साथ-साथ खूबसूरती बढ़ाने में भी मदद करती है, क्योंकि इसमें प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं।

स्किन बनाए हेल्दी

हेल्दी स्किन यानी नम त्वचा। शरीर में नमी बनाए रखने के लिए पर्याप्त लिक्विड लेना जरूरी है। इसमें सभी तरह की चाय शामिल हो सकती है, क्योंकि गर्मी के दिनों में शरीर को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। लिक्विड लेने से स्किन फ्रेश रहती है और पानी की कमी नहीं होती है।

ग्रीन टी

अगर आपकी स्किन रूखी और बेजान हो गई है तो ठंडी ग्रीन टी अपने चेहरे पर छिड़कें। ये एक बेहतरीन मॉइस्चराइजर का काम करती है। इससे आपकी स्किन तरोताजा हो जाएगी और चेहरा साफ व ग्लोइंग लगेगा।

डार्क सर्कल

दरअसल चाय में कैफीन होता है, जो आपके ब्लड वेसल को सिकुड़ने में मदद करता है। नींद पूरी न होने या अन्य कारणों से अगर आप की आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स पड़ गए हैं या सूजन आ गई है तो टी बैग इसे सही करने में आपकी मदद करेगा। उसे फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। ठंडा होने पर उसे आंखों के नीचे रखें। इससे आंखों की थकान दूर होती है।

पैरों की बदबू से छुटकारा

पैरों में बदबू आने पर अगर आप डीओ का इस्तेमाल करती है तो ऐसा न करें। इसके लिए आप उबली हुई ब्लैक टी के मिश्रण में अपने पैर डुबाएं। ये एंटी बैक्टीरियल होती है, जो आपके पैरों में आ रहे पसीने को रोकती है। इससे पैरों में बदबू नहीं आती है।

बाल बनाए घने

ब्लैक टी बाल गिरने की समस्या से निजात दिलाती है। अगर आप अपने बालों को घना करना चाहती हैं तो उन्हें ब्लैक टी और ग्रीन टी से धोएं। वहीं ग्रीन टी बालों को बढ़ने में मदद करती है। ठंडी की हुई चाय को बालों पर डालें और उसे 10 मिनट तक रखें। इसके बाद अपने बालों को शैंपू और कंडीशनर से धो लें।

तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं बल्कि एक जरूरत

...तो कितने 'टैक स्मार्ट' हैं आप

आज की दुनिया का हर पहलू तेजी से इंटरनेट से जुड़ता जा रहा है। सोशल नैटवर्किंग वेबसाइट्स की लोकप्रियता भी इनमें शामिल हो चुकी है। ऐसे में कंपनियों का आधुनिक तकनीकों तथा रुझानों से भली प्रकार अवगत कर्मचारियों की तलाश करना स्वाभाविक हो गया है।

ऐसे कर्मचारियों को अधिक महत्व

जानकार कहते हैं कि इन दिनों संस्थान तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारियों का महत्व समझते हैं और वे अपने यहां नियुक्तियों के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारियों में संबंधित कौशल की अपेक्षा भी रखते हैं। कंपनियां मानती हैं कि कर्मचारियों में तकनीकी समझ को ग्रहण करने की कुदरती खूबी होनी चाहिए तभी वे भविष्य में कंपनी में या कामकाज में होने वाले तकनीकी विकास के साथ कदम से कदम मिला कर कम्पनी के हित में कार्य कर सकेंगे। वैसे भी हर कंपनी अपनी प्रतियोगी कंपनी से आगे रहने की कोशिश करती है, जिसके लिए उसके कर्मचारियों में गहन तकनीकी ज्ञान होना अनिवार्य हो जाता है। इतना ही नहीं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों में तो यह कौशल और भी जरूरी है।

बेहतर ढंग से दे सकते हैं अंजाम...

आज के दौर में तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं, एक जरूरत बन चुकी है। यह भी माना जाता है कि आज के दौर में अच्छा प्रदर्शन तथा करियर में तरक्की के लिए तकनीकी दक्षता बेहद महत्वपूर्ण है। तकनीकी रूप से सक्षम व्यक्ति अपने काम को और अधिक बेहतर ढंग से अंजाम दे सकता है जो उसके साथ-साथ कम्पनी के लिए भी लाभदायक स्थिति साबित होती है। यह सवाल भी उठ सकता है कि भला कोई कंपनी किस तरह से किसी के टीएसक्यू का आकलन लगा सकती है। इसके लिए इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों से ही प्रार्थी की तकनीकी दक्षता तथा तकनीकों से उसके लगाव के बारे में काफी कुछ पता चल सकता है। अंत में निष्कर्ष यही निकलता है कि आज के प्रतियोगी दौर में सफल होना है तो युवाओं को नवीनतम तकनीक के प्रति सजग रहते हुए अपने 'टैक-स्मार्ट क्वोशन्ट' को उम्दा बनाए रखना चाहिए।

रेसिपी

मैंगो केक

आइए बनाएं कुकर में मैंगो केक

अब आम का सीजन है तो मैंगो केक खाने का मन तो करेगा ही। पर लाइट नहीं आ रही ओवन कैसे चलेगा। ओफ्हो परेशानी क्या है हम बताते हैं कैसे बनाएं प्रेशर कुकर में मैंगो केक।

सामग्री

एक बड़ा प्रेशर कूकर जिसमें बेकिंग पैन समा जाए, एक बेकिंग पैन, 1 बटर पेपर, मैदा 1 कप, आम की प्यूरी आधा कप सा फिर एक टेबल स्पून मैंगो सीरप, कन्डेन्स्ड मिल्क 1/2 कप, पाउडर चीनी आधा कप, दूध आधा कप, मक्खन 1/3 कप, काजू कटे हुए 2 टेबल स्पून, किशमिश 2 टेबल स्पून, बेकिंग पाउडर1छोटी चम्मच, बेकिंग सोडा 1/4 छोटी चम्मच, आप आम को काट कर उसका पल्प निकाल कर और उसे फैंट कर भी प्यूरी बना सकते हैं।

विधि

मैदा में बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा डालकर मिक्स कर लीजिए और 2 बार अच्छी तरह छान लीजिए। दूसरे बड़े प्याले में मक्खन, आम का पल्प/प्यूरी और कन्डेन्स्ड मिल्क डालकर अच्छी तरह फैट कर मिक्स कर दीजिए, पाउडर चीनी मिलाकर और अच्छी तरह मिक्स कर लीजिए। काजू और किशमिश के डंठल हटाकर कपड़े से पोंछ लीजिए। जिस कन्टेनर में केक बेक उसमें बटर या घी लगाकर चिकना कर लीजिए। बटर पेपर बर्तन के तले के आकार का काट लीजिए और तले में पेपर डालकर उसके ऊपर भी थोड़ा बटर डालकर चिकना कर लीजिए। आम का पल्प, कन्डेन्स्ड मिल्क में मैदा और बेकिंग पाउडर मिश्रण को डालकर अच्छी तरह गुठलियां खत्म होने तक मिलाइए। मिश्रण में दूध भी अच्छी तरह मिला दीजिए। काजू और किशमिश भी मिला दीजिए। ग्रीज किया हुआ केक कन्टेनर लीजिए। इसमें बर्तन में थोड़ा घी डालिए। फिर थोड़ी सी मैदा डालकर बर्तन को इस तरह हिलाइए कि उसके ऊपर पतली सी मैदा की परत बन जाए। उसमें मिश्रण डालिए और खटखटा कर एक सार कर लीजिए। अब क्योंकि कुकर में केक बनाने के लिए केक कन्टेनर का तला कुकर के तले से नहीं लगना चाहिए नहीं तो केक नीचे से जल सकता है। इसके लिए कुकर के अन्दर तले में एक कटोरी नमक फैला देते है। नमक गरम होकर ओवन की तरह तापमान भी बनाए रखता है। कुकर के अन्दर एक कटोरी नमक डालने के बाद इसे तेज आग पर दो मिनट के लिए रख दीजिए और केक कन्टेनर को पहले से गरम किए हुए कुकर में रखिए। कुकर के ऊपर ढक्कन लगाकर बन्द कर दीजिए। ढक्कन पर सीटी मत लगाइए। केक को बिल्कुल धीमी आग पर 40-50 मिनट तक पकाइए। इसके बाद केक को चैक कर लीजिए। केक के अन्दर चाकू डालने से मिश्रण चाकू पर लग कर आ रहा है तो केक को और बेक कीजिए। कुछ देर बाद दोबारा टैस्ट कीजिए केक में चाकू गड़ा कर देखिए यदि चाकू से केक नहीं चिपकता तो आपका केक बन गया है। कुकर को केक कन्टेनर सहित अच्छी तरह ठंडा होने दीजिए। ठंडा होने पर केक के किनारों से चाकू घुमाकर केक को बर्तन के किनारों से अलग कर लीजिए अब हल्के से ठोक कर केक को प्लेट में निकाल लीजिए। लीजिए आपका प्रेशर कूकर मैंगो केक तैयार है।

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

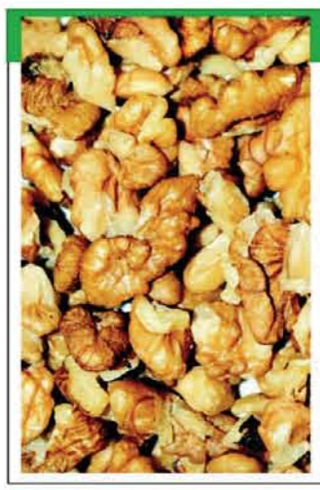

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा श्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडैंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्नीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं ।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

काजोल ने अपनी बेटी नीसा के एक्टिंग रूचि के बारे में बात की

सिनेमाई दुनिया की चर्चित अभिनेत्री काजोल इस समय अपनी अपकमिंग फिल्म मां के प्रचार-प्रसार में व्यस्त हैं। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आजकल स्टारकिड्स फिल्मी दुनिया में डेब्यू करते दिख रहे हैं। अब इसी कड़ी में काजोल ने भी अपनी बेटी नीसा देवगन के एक्टिंग रूचि के बारे में बात की है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

क्या अभिनय में कदम रखने वाली हैं नायसा

हाल ही में काजोल फिल्मीज्ञान के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुई, जहां उन्होंने अपने बेटी को लेकर बात की। अभिनेत्री से सवाल किया गया कि क्या वह भी अन्य पैरेंट्स की तरह भी अपनी बेटी को फिल्मों में लाने की योजना बना रही हैं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, नहीं, मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा करेंगी, उन्हें फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं अपने परिवार के सभी बच्चों से प्यार करती हूं और मैं चाहती हूं कि वे वही करें, जिससे उन्हें खुशी मिलती है और जो उन्हें लगता है कि वे उसमें सफल होंगे।'

काजोल ने बच्चों के बारे बताई ये बात

आगे बातचीत में काजोल ने बताया, 'मेरे बच्चों को मेरी पिक्चर पसंद नहीं आती क्योंकि मुझे उसमें रोना धोना पड़ता है और उन्हें अपनी मां को स्क्रीन पर रोते हुए देखना पसंद नहीं है। नीसा और युग मुझे रोते हुए देख कर बहुत सहम जाते हैं । मैंने उन्हें बोला है कि यह सब झूठ है पर उन्हें समझ नहीं आता।'

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म मां, शैतान के ब्रह्मांड की अगली कड़ी है और जिसमें एक मां अलौकिक शक्तियों से अपने बच्चे को बचाने के लिए किस हद तक जाती है। इस फिल्म को अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म में काजोल के अलावा रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्त, जितिन गुलाटी, गोपाल सिंह, सूर्यसिखा दास, यानी भारद्वाज, रूपकथा चक्रवर्ती और खेरिन शर्मा सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 जून 2025 को हिंदी, तमिल, तेलुगु और बंगाली में रिलीज होगी।

20 साल छोटी इस अभिनेत्री के साथ रोमांस करेंगे रणवीर सिंह?

अभिनेता रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'धुरंधर' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म की अभी शूटिंग चल रही है और सेट से कई तस्वीरें भी सामने आई हैं। आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस एक्शन फिल्म में संजय दत्त और अर्जुन रामपाल जैसे सितारे भी नजर आएंगे। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। ये जानकारी फिल्म की लीड एक्ट्रेस को लेकर आ रही है। फिल्म 'धुरंधर' को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ सारा अर्जुन प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। एक रिपोर्ट में ये दावा किया जा रहा है कि चाइल्ड आर्टिस्ट रहीं 20 साल की सारा अर्जुन 39 साल के रणवीर सिंह के साथ इस फिल्म में रोमांस करती नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में उनकी भूमिका छोटी होगी। हालांकि, रणवीर और सारा के बीच 20 साल का अंतर है। ऐसे में पर्दे पर ये अनोखी जोड़नी देखना एक अलग एहसास होगा। इसीलिए कई यूजर्स को ये खबर पसंद नहीं आ रही है।

मेकर्स ने अभी तक नहीं की पुष्टि

इस खबर के सामने आने के बाद बेशक नेटिजंस को ये खबर पसंद नहीं आई। हालांकि, मेकर्स की ओर से अब तक सारा अर्जुन के फिल्म का हिस्सा होने के बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है। जबकि सारा के फिल्म का हिस्सा होने की खबर साल 2024 में ही सबसे पहले आई थी। इसके बाद फिल्म के सेट से कई तस्वीरें भी सामने आई हैं। वहीं पिछले दिनों 'धुरंधर' के टीजर को लेकर भी खबर आई थी। लेकिन मेकर्स ने अभी तक फिल्म लीड एक्ट्रेस को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। ऐसे में सारा अर्जुन फिल्म का हिस्सा होंगी या नहीं इस बारे में कोई कंफर्म न्यूज नहीं है। चाइल्ड आर्टिस्ट रहीं सारा अर्जुन 'देइवा थिरुमगल', 'जय हो' और 'पोन्नियिन सेलवन' जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रकुल प्रीत को मिला ये सम्मान

शनिवार को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया है। इस मौके पर केंद्र सरकार की तरफ से भी फिट इंडिया मूवमेंट के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया है, जिसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और उनके पति जैकी भगनानी को फिट इंडिया कपल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस खिताब को पाने के बाद कपल्स ने प्रतिक्रिया दी है।

अवॉर्ड पाकर गर्व महसूस कर रहीं अभिनेत्री

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सरकार की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और उनके पति जैकी भगनानी को फिट इंडिया कपल अवॉर्ड मिला, जिसे पाकर एक्ट्रेस गर्व महसूस कर रही हैं। एएनआई से बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'हमें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर फिट इंडिया कपल का पुरस्कार मिला, ये बहुत गर्व की बात है। हमें उम्मीद है कि हम लोगों को फिटनेस के बारे में प्रेरित कर सकेंगे, जिससे वो इसे अपने जीवन का हिस्सा बना सकें।'

रकुल प्रीत सिंह का वर्कफंट

रकुल प्रीत सिंह एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्हें आखिरी बार मेरे हसबैंड की बीवी में देखा गया था, जिसमें अर्जुन कपूर भी मुख्य भूमिका में थे। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन करने में नाकामयाब साबित हुई थी। इसके अलावा अभिनेत्री की आगामी फिल्मों की बात करें, तो उन्हें 'इंडियन 3' और 'दे दे प्यार दे 2' में देखा जाएगा।

'दिल थाम के' गाने के लिए हुमा कुरैशी ने की थी कड़ी मेहनत

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं हैं। शेयर की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस ने हाल ही में रिलीज हुए सॉन्ग 'दिल थाम के' दौरान के कुछ पलों को साझा किया है। साझा की गई पहली और दूसरी तस्वीर में अभिनेत्री दिल थाम के सॉन्ग के दौरान डांस मूव्स करती नजर आ रही हैं, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।

इन दोनों तस्वीरों के बारे में एक्ट्रेस ने बताया ये उनके लिए बहुत ही खूबसूरत फोटोज हैं। इसके अलावा उन्होंने अन्य दो तस्वीरों में इस सॉन्ग के लिए उन्हें क्या डाइट लेनी पड़ती थी, उसकी झलक दिखाई है। वहीं अभिनेत्री ने एक और तस्वीर शेयर करते हुए बताया कि पहली बार उन्होंने ऐसा खूबसूरत आउटफिट पहना है। अन्य तस्वीरों में अभिनेत्री बेहद खूबसूरत अंदाज में दिख रही हैं आपको बताते चलें कि हुमा कुरैशी, राजकुमार राव की आगामी फिल्म मालिक में नजर आएंगी, जिनका गाना 'दिल थाम के' हाल ही में रिलीज हुआ है।

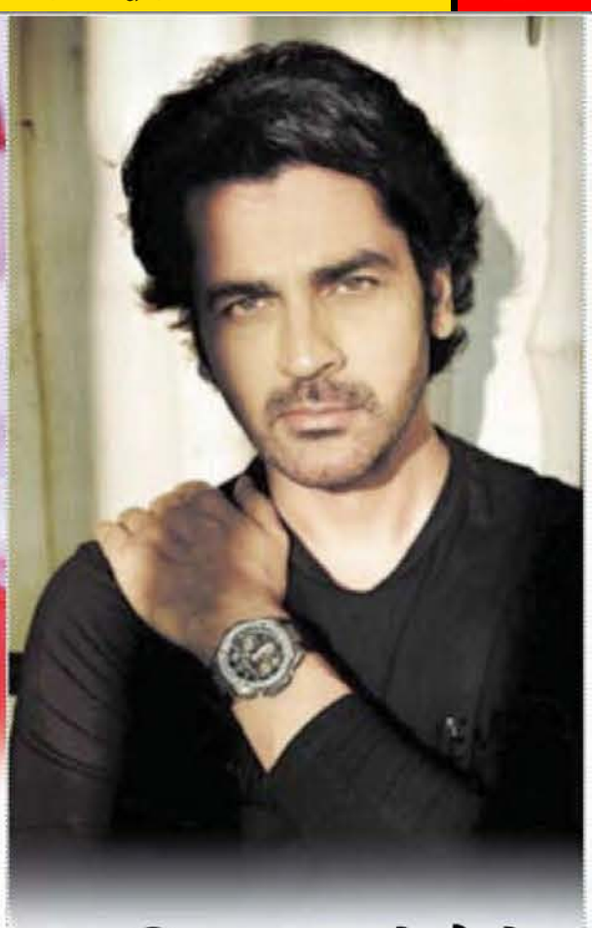

श्रुति हासन ने टैलेंट पिता से, लेकिन पहचान खुद के दम पर बनाई

अभिनेता अर्जन बाजवा ने वेब सीरीज बेस्टसेलर में एक्ट्रेस श्रुति हासन के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने श्रुति की जमकर तारीफ की और कहा कि उन्होंने अपने दम पर कामयाबी हासिल की है। अर्जन बाजवा ने कहा कि श्रुति ने खुद के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कई भाषाओं में काम किया और साथ ही अपना म्यूजिक टैलेंट भी दिखाया है। उनकी कामयाबी उनकी अपनी मेहनत की वजह से है। अर्जन ने आगे ने कहा, श्रुति हासन के साथ काम करना मेरे लिए काफी अच्छा अनुभव रहा। वह बहुत टैलेंटेड हैं, कई भाषाएं बोल लेती हैं और तेलुगू, तमिल, हिंदी और इंग्लिश फिल्मों में काम कर चुकी हैं। वह एक बेहतरीन सिंगर भी हैं। हमारे बीच अच्छी दोस्ती हो गई है। उन्होंने कहा, श्रुति को अपने पिता कमल हासन से टैलेंट मिला है, लेकिन उन्होंने अपनी पहचान खुद के दम पर बनाई है। इसके अलावा, उनका सेंस ऑफ ह्यूमर भी बहुत अच्छा है। बता दें कि अर्जन बाजवा ने श्रुति हासन के साथ 2022 में रिलीज हुई साइकोलॉजिकल थ्रिलर वेब सीरीज बेस्टसेलर में काम किया था। यह वेब सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। इस सीरीज में मिथुन चक्रवर्ती, गौहर खान, सत्यजीत दुबे और सोनाली कुलकर्णी भी अहम किरदार में हैं। अर्जन बाजवा ने दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के लिए भी अपना सम्मान जाहिर किया। उन्होंने कहा कि मिथुन बहुत सरल और विनम्र स्वभाव के हैं और हमेशा अपने काम को पूरी लगन और मेहनत से करते हैं। अर्जन बाजवा ने कहा, मिथुन दा एक जबरदस्त अभिनेता हैं। मुझे उनकी सबसे अच्छी बात उनकी विनम्रता लगती है, जो उन्होंने कई सालों तक फिल्म इंडस्ट्री में रहने के बाद भी बनाए रखी है। वह हर नए प्रोजेक्ट में उतनी ही ऊर्जा और उत्साह लेकर आते हैं, जैसे कोई नया कलाकार आता है। यह हमारे लिए सीखने वाली बात है, उनका जुनून और मेहनत सच में प्रेरणादायक है।

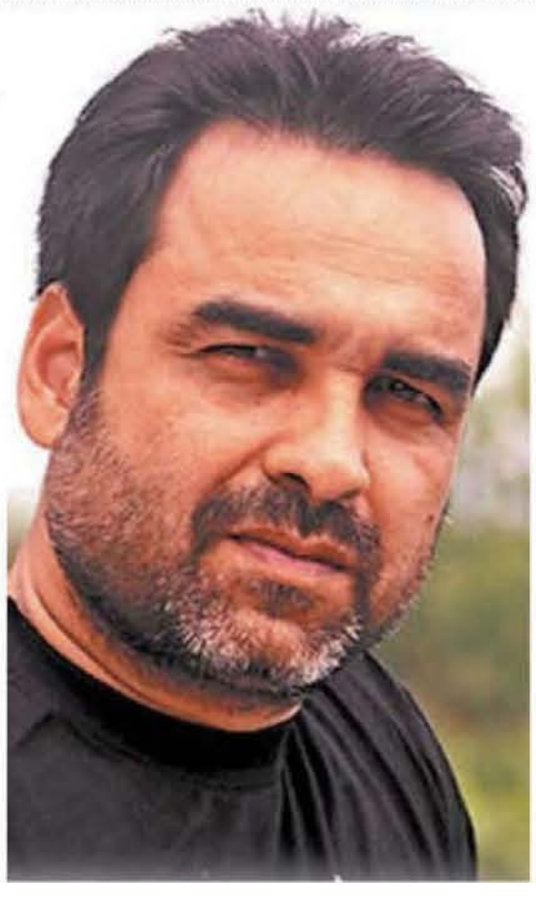

ओटीटी मेरे लिए संजीवनी बूटी साबित हुआ

हमारे सिनेमा का उदय गानों के साथ हुआ क्योंकि गाने हमारे समाज में हैं। शादी हो या मुंडन गाने तो होते ही हैं, हमारे यहां तो धान रोपने में भी गाने गाए जाते हैं। समाज में गाने थे, इसलिए फिल्मों में भी आए, इसलिए यह तुलना बेमानी है। ठीक उसी तरह वैश्विक सम्मान को भी पैमाना नहीं बनाना चाहिए। दो बार राष्ट्रीय पुरस्कारों समेत कई सम्मानों से नवाजे जा चुके पंकज त्रिपाठी के किरदारों से ही नहीं बल्कि शख्सियत से भी अपनी मिट्टी की खुशबू आती है। पंकज ओटीटी को संजीवनी बूटी मानते हैं।

करियर के आरंभिक दिनों में आपने नकारे जाने का दर्द भी सहा और छोटी-छोटी भूमिकाएं भी कीं, मगर आज आप शीर्ष पर हैं, कैसा महसूस करते हैं?

मैं सफलता में अति उत्साही नहीं होता, उसी तरह असफलता मुझे हतोत्साहित नहीं करती। मुझे याद नहीं कि कोई बहुत पीड़ादायक या कॉन्फ्लिक्ट का दौर चला हो। असल में पत्नी टीचर थीं और हमारी जरूरतें सीमित थीं। सर्वाइवल का कोई संकट नहीं था। संघर्ष का यह दौर 9-10 साल चला। तब सोशल मीडिया और इंटरनेट नहीं था तो मैं ज्ञान खोजता रहता था। मैं तब साहित्य और दर्शन की किताबें पढ़ता था।

छोटी-मोटी भूमिकाओं से लेकर हीरो के समकक्ष वाले किरदारों तक आपके लिए ट्रांसफॉर्मेशन का दौर कैसा रहा?

ट्रांसफॉर्मेशन के दौर में हमारे लिए तकनीक ने बहुत बड़ा काम किया। मैं ओटीटी के शुरुआती दौर का हूं, चाहे वह मिर्जापुर हो या क्रिमिनल जस्टिस या सेक्रेड गेम्स। यह मेरे लिए संजीवनी बूटी साबित हुआ। लोगों के हाथ में मोबाइल और लैपटॉप का होना और सोशल मीडिया की लहर दौड़ना। लोग मेरा काम देखकर सोशल मीडिया पर लिखने लगे कि ये एक्टर अच्छा काम करता है। फिर मीडिया मुझे खोजने लगी। वरना मैं जिस तरह का अभिनय करता हूं, वह लोगों की समझ में नहीं आता। मैं समझ सकता हूं कि इरफान खान को कितनी समस्या होती होगी। किसी इमोशन को उतना लाउड नहीं दिखाना है।

वर्ल्ड सिनेमा की बात करें तो रेस में हम किस पायदान पर हैं?

सिनेमा की रेस में मेरे लिए पायदान अर्थ नहीं रखता क्योंकि उनका कल्चर, उनका रियलिज्म अलग है। हमारी स्टोरी टेलिंग अलग है क्योंकि हमारा समाज और संस्कृति अलग है। तुलना मत कीजिए, आर्ट की तुलना नहीं हो सकती। हमारे सिनेमा का उदय गानों के साथ हुआ क्योंकि गाने हमारे समाज में हैं। शादी हो या मुंडन, यहां तो धान रोपने में भी गाने गाए जाते हैं। समाज में गाने थे, इसलिए फिल्मों में भी आए, इसलिए यह तुलना बेमानी है। ठीक उसी तरह वैश्विक सम्मान को भी पैमाना नहीं बनाना चाहिए कि अगर हमें सम्मान नहीं मिला, तो हम अच्छा काम नहीं कर रहे।

NSD का आपके अभिनय करियर में कितना योगदान रहा?

वहां जाकर ही समझ आया कि आर्ट की दुनिया कितनी बड़ी है और जीवन के अनुभव कितने बहुमूल्य हो सकते हैं। हमें वहां अनुराधा मैम विंडो इमेज पढ़ाती थीं। वह हमेशा कहती थीं कि अपनी विंडो क्रिएट करो। हम दो-तीन मिलकर एक क्रिएट करते थे, अपने अनुभवों के आधार पर, मगर वे बार-बार उसे ठीक करवाती थीं। कहती थीं, इसमें कुछ यूनीक नहीं है। अपनी खिड़की को खोजते-खोजते हम इस बात पर आते थे कि एक आईना लटका हुआ है और उसके लटकते फ्रेम पर एक बिंदी चिपकी हुई है। वरना उससे पहले तो हम सिनेमा वाला विंडो क्रिएट करते कि एक खूबसूरत लड़की खिड़की पर आकर खड़ी हो गई है।

आपकी वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस में आप एक ईमानदार वकील बने हैं। असल जिंदगी में हमने देखा है कि कई बार न्याय प्रणाली में देरी हो जाती है या सवाल उठ खड़े होते हैं?

वह बहुत कॉम्प्लिकेटेड है क्योंकि उसके कई कारण हैं। एक तो है, हमारी जनसंख्या। अदालतों में जितने केस लंबित हैं, दूसरे केस का नंबर आने में ही वक्त लग जाता है। जांच-परख में भी समय लगता है, क्योंकि हमारी न्याय प्रणाली कहती है कि भले एक दोषी मुक्त हो जाए, मगर निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए।

इन दिनों इंडस्ट्री में 8 घंटे की शिफ्ट को लेकर बहस चल रही है।

जो 8 घंटे की शिफ्ट बनी है, वह ग्लोबली है। 24 घंटों को हमने 3 भागों में डिवाइड किया है। 8 घंटे काम, 8 घंटे सोना कर 8 घंटे आपका पारिवारिक जीवन, सेल्फ केयर और सामाजिक दायित्व। पहले ऐसा होता भी था। ज्यादा काम को ओवरटाइम कहा जाता था। मगर हमारी इंडस्ट्री में 12 घंटे की शिफ्ट कंपल्सरी जैसी है और फिर ट्रेवलिंग का समय अलग से। मैंने खुद महसूस किया है कि मैं जब लगातार शूटिंग करता हूं, तो मेरी नींद पूरी नहीं होती, जिसका असर मेरे अभिनय पर पड़ता है। फिल्म सेट पर एक अभिनेता ही ऐसा होता है, जिसके पास कोई यंत्र या बटन नहीं होता कि स्विच ऑफ कर सके। सिर्फ हम अभिनेता ही इमोशनल लेबर करते हैं। अभिनेता तभी अच्छा परफॉर्म कर सकता है, जब उसे प्रॉपर आराम मिले। बात 8 या 12 घंटे की नहीं है, बात एक्टर के काम की है।

आपातकाल में लोकतंत्र व मौलिक अधिकारों की हुई थी हत्या : डॉ. महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय लोकतंत्र के सबसे काले अध्याय—आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर भाजपा नोएडा महानगर द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर, सेक्टर-12 में एक विशेष संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने 25-26 जून 1975 की रात को लगी आपातकाल की घोषणा को संविधान और लोकतंत्र पर सीधा प्रहार बताया।

कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा द्वारा वृक्षारोपण से हुई, जिसके पश्चात आपातकाल विषयक संगोष्ठी में उन्होंने कहा, संविधान हत्या दिवस के रूप में याद किया जाना चाहिए। जिस संविधान की रक्षा की शपथ लेने वालों ने ही उस पर आघात किया। इंदिरा गांधी और कांग्रेस ने देशभर में भय और दमन का वातावरण बना दिया। प्रेस की स्वतंत्रता छीनी गई, मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, और लाखों नागरिकों को जेलों में बंद कर दिया गया।

डॉ. शर्मा ने आगे कहा, 1975 में कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था। युवा से लेकर बुजुर्ग तक को जबरन नसबंदी का शिकार बनाया गया।

संगोष्ठी में गौतमबुद्ध नगर के सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने भी तीखे शब्दों में उस कालखंड की आलोचना करते हुए कहा, आपातकाल के दौरान लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की निर्ममता से हत्या की गई थी। प्रेस पर सेंसरशिप, नेताओं की गिरफ्तारी, और जबरन नसबंदी जैसे कृत्य मानवता के खिलाफ थे। यह समय हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए सतत जागरूकता जरूरी है।

इस अवसर पर विधायक पंकज सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल, वरिष्ठ नेता नबाब सिंह नगर, बिमला बाथम, मनोज गुप्ता, विनोद त्यागी, जुगराज चौहान, महेश अवाना, अमित त्यागी, विनोद शर्मा, गिरीश कोटनाला, अशोक मिश्रा, संजय बाली, तन्मय शंकर, प्रज्ञा पाठक, योगेंद्र चौधरी, डिंपल आनंद, उमेश त्यागी, करतार सिंह, हर्ष चतुर्वेदी, सुशील शर्मा, धर्मेंद्र गुप्ता, अमित, नागपाल, चमन अवाना, ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष जयप्रकाश प्रजापति, सत्यम भदौरिया सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता और समाजसेवी उपस्थित रहे।

संविधान की बार-बार हत्या करना स्वयंभू गांधी परिवार की परंपरा रही है : डॉ. दिनेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय संविधान की उपेक्षा करना और उसकी हत्या करना स्वयंभू गांधी परिवार की परंपरा रही है। इंदिरा गांधी ने अपने शासनकाल के दौरान 50 से अधिक बार चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त कर संविधान को रौंदा। उन्होंने कई बार सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को भी नजरअंदाज कर संविधान की धज्जियाँ उड़ाईं।

अतीत में संविधान को कुचल चुके यही लोग अब हाथ में संविधान लेकर भाजपा पर संविधान की उपेक्षा करने का आरोप लगा रहे हैं। यह स्थिति उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे जैसी है और हास्यास्पद भी। यह कहना था उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा का। वे सेक्टर-12 स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में आपातकाल की 50वीं बरसी की पूर्व संध्या पर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि आपातकाल के दौरान विपक्षी दलों के नेताओं को रातों-रात जेल में डाल दिया गया। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता छीन ली गई। मीडिया कर्मियों को भी जेल भेजा गया। उस समय लोकतांत्रिक अधिकारों का गला घोंट दिया गया। यह कालखंड भारतीय गणराज्य के सबसे काले अध्याय के रूप में दर्ज है।

उन्होंने कहा कि अब कोई भी सरकार ऐसी पुनरावृत्ति न करे, इसी उद्देश्य से हर वर्ष आपातकाल की बरसी मनाकर उस काले दौर की याद दिलाई जाती है और राजनीतिक दलों को सजग किया जाता है कि ऐसा अतीत भविष्य में दोहराया न जाए।

इस अवसर पर गौतमबुद्ध नगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा, पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं भाजपा नोएडा प्रभारी श्रीमती कामता कर्दम, भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, आशीष वत्स, भाजपा के वरिष्ठ नेता महेश अवाना, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित त्यागी, महानगर के कोषाध्यक्ष विनोद शर्मा आदि मौजूद रहे।

एक ही ठेकेदार को सैंपी जाएगी सर्फेस पार्किंग

इस योजना पर विचार कर रहा है नोएडा प्राधिकरण

नौएडा
एक उत्कृष्ट क्षेत्र

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण शहर की सभी सर्फेस पार्किंग को एकीकृत प्रणाली के तहत एक ही ठेकेदार को सौंपने की योजना बना रहा है।

प्राधिकरण सूत्रों के अनुसार, यह योजना शहर में पार्किंग व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्था और शिकायतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की जा रही है। वर्तमान में पार्किंग के संचालन हेतु विभिन्न स्थानों पर छोटे-छोटे ठेकेदारों को जिम्मेदारी सौंपी जाती है, जिसके कारण कई प्रकार की अनियमितताएं सामने आती हैं।

कई ठेकेदारों को पार्किंग सौंपने पर ठेकेदारों द्वारा निर्धारित शुल्क न जमा करना, मनमाने दरों पर शुल्क वसूलना, निर्धारित स्थल से अधिक क्षेत्र में पार्किंग करवाना, ठेकेदार कर्मचारियों का दुर्व्यवहार, संसाधनों की भारी कमी की समस्या पैदा होती है।

सूत्रों के अनुसार, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रचलित स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था का अध्ययन कर नोएडा में भी किसी प्रतिष्ठित कंपनी को पूरे शहर की पार्किंग जिम्मेदारी सौंपने की योजना बनाई जाएगी। इससे भविष्य में शिकायतें आने पर प्राधिकरण को कई ठेकेदारों से अलग-अलग जवाबदेही नहीं लेनी पड़ेगी, बल्कि एकीकृत जवाबदेही तय की जा सकेगी।

मोबाइल एप के माध्यम से डिजिटल पेमेंट, स्लॉट बुकिंग, शुल्क निर्धारण और निगरानी जैसी सुविधाएं आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्राधिकरण के महाप्रबंधक एस.पी. सिंह ने एक ही ठेकेदार को पार्किंग व्यवस्था सौंपने की योजना की है। उनका कहना है कि इस योजना से नोएडा की पार्किंग प्रणाली में सुधार, पारदर्शिता और सुविधा तीनों बढ़ेगी।

'सड़क हादसों को रोकने को कमर कस लें अधिकारी'

एडीएम ने यातायात, तथा अन्य विभागों को दिये कड़े निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्ध नगर में सड़क दुर्घटनाओं पर पूर्ण नियंत्रण और मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशानुसार जिला सड़क सुरक्षा समिति की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन कलैक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे ने की।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि जनपद में चिन्हित ब्लैक स्पॉट (दुर्घटना संभावित क्षेत्र) को प्राथमिकता पर चिन्हित कर अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक उपायों के माध्यम से सुरक्षित बनाया जाए। साथ ही, अवैध कट को बंद करने और यातायात संरचना को सुधारने पर भी बल दिया गया।

हिट एंड रन मामलों पर चर्चा करते हुए एडीएम प्रशासन ने एआरटीओ डॉ. उदित नारायण पांडेय को निर्देश दिए कि संबंधित नियमावली के अनुसार गठित कमेटी के माध्यम से सभी मामलों की समीक्षा कर पीड़ितों को मुआवजा दिलाने की कार्रवाई तेज़ की जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में नो हेलमेट, नो फ्यूल नीति का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई भी पेट्रोल पंप बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चालक को पेट्रोल देता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अपर जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि पूरे जिले में विशेष अभियान चलाकर ओवरलोड वाहनों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई होनी चाहिए। इस महत्वपूर्ण बैठक में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. उदित नारायण पांडेय, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, सहित अन्य विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

क्षितिज की गूँज का आयोजन 28 को

नोएडा (चेतना मंच)। दिव्यांगजनों को सहानुभूति नहीं, सशक्तिकरण और नेतृत्व की दृष्टि से देखने का संदेश लेकर फर्स्टवन रिहब फाउंडेशन आगामी 28 जून को एक अनूठे मेडिकल सेमिनार क्षितिज की गूँज का आयोजन करने जा रहा है। यह कार्यक्रम नोएडा के सेक्टर 70 स्थित ट्रीबो हाउस इन बैंक्विट में आयोजित होगा।

फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. महिपाल सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद डॉ. महेश शर्मा उपस्थित रहेंगे। साथ ही, चिकित्सा क्षेत्र की कई जानी-मानी हस्तियाँ और विशेषज्ञ डॉक्टर भी समारोह में भाग लेंगे, जो अपने मार्गदर्शन से इस अभियान को नई दिशा देंगे।

'क्षितिज की गूँज' कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होंगे—दिव्यांगजनों की प्रेरणादायक जीवन यात्राएं, स्वास्थ्य एवं पुनर्वास पर केंद्रित संवाद, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और 'होरिज़ॉन' नामक समावेशी मैगजीन का विमोचन भी होगा।

इस अवसर पर आयोजन समिति की डॉक्टर दीक्षा श्रीवास्तव ने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ एक सेमिनार नहीं, बल्कि 'Survival to Felicity' यानी संघर्ष से सुख की ओर बढ़ती उस यात्रा का उत्सव है।

10 दिवसीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का समापन

नोएडा (चेतना मंच)। सूर्या फाउंडेशन की शैक्षिक इकाई स्कूल भारती ऑर्गेनाइजेशन द्वारा शैलजा कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित 10-दिवसीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का समापन समारोह बुधवार को उल्लास और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। दीप प्रज्वलन एवं सामूहिक प्रार्थना के साथ शुभारंभ हुए इस समारोह में कई विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रकाश (उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान, विद्या भारती), माखनलाल (एफिलिएशन डायरेक्टर, भारतीय शिक्षण बोर्ड), वेद प्रकाश (पूर्व एबीएसए), महेश चौहान (महानगर अध्यक्ष, भाजपा नोएडा), दिनेश चौहान (अध्यक्ष, स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश), देवेंद्र चौहान (नगर संघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नोएडा) और प्रमोद (प्रमुख, आदर्श गांव योजना - सूर्या फाउंडेशन) ने बच्चों को मार्गदर्शित करते हुए कहा कि व्यक्तित्व विकास केवल शैक्षणिक दक्षता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नैतिक मूल्यों, आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल को भी निखारता है।

इस मौके पर बच्चों को सम्मान-पत्र, प्रशंसा-पत्र और प्रोत्साहन पुरस्कारों से नवाज़ा गया, जिसने उनके आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयां दीं। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती प्रवेश शर्मा ने अपने समापन उद्बोधन में कहा कि ऐसे शिविर बच्चों के समग्र विकास का सशक्त माध्यम हैं और इन्हें निरंतर आयोजित किया जाना चाहिए। उन्होंने आयोजकों, उपस्थित अतिथियों और शिक्षकों का विशेष धन्यवाद भी व्यक्त किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता अमित त्यागी, भूपेश चौधरी, विशाल गोयल, जितेंद्र स्वामी, मनोज चौहान, ठाकुर उज्जवल सिंह, कृष्ण गोपाल, आशिष्वर, हरविंदर, रेखा चौहान एवं राकेश शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com